सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 208 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 12 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पांच लाख की ईनामी लक्ष्मी ने किया सरेंडर, पुलिस के सामने डाले हथियार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश के बॉर्डर पर लंबे समय से सक्रिय

DKSZC सदस्य लक्ष्मी ने आंध्रप्रदेश के अल्लुरी सीताराम राजू जिले में पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उसके इस कदम से नक्सली संगठन को बड़ा झटका लगा है। लक्ष्मी पर पांच लाख रुपये का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के अल्लुरी सीताराम राजू के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। महिला नक्सली पोडियम लक्ष्मी बीजापुर जिले के उसुर थाना क्षेत्र की निवासी थी। वह DKSZC की सदस्य थी और लंबे समय से छत्तीसगढ़ व आंध्रप्रदेश बॉर्डर में सक्रिय थी। उसने पुलिस अधिकारियों के समक्ष हथियार डाले। पुलिस अधिकारियों ने उसे मुख्यधारा में जोड़ते हुए पुनर्वास राशि भी सौंपी।

जांच में फेल हुए सैंपल, आठ व्यापारियों पर एक लाख का जुर्माना

कोरबा। जिले में खाद्य एवं सुरक्षा विभाग ने जांच में नमूने फेल होने पर यह कदम उठाया। कटघोरा और कोरबा के अपर जिलाधिकारी न्यायालय ने आठ व्यापारियों पर जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना 25 हजार से 1 लाख रुपये तक का है। विभाग द्वारा बालाजी वाटन औद्योगिक क्षेत्र, नेचुरल मिठाई निहारिका, निर्मल दुग्धालय कुसमुंडा, मां कालिका दुग्धालय कुसमुंडा, अपना स्टोर आरएसएस नगर, गीता अभिकरण सीतामढ़ी और फ्रेर सीजन भोजनालय के खिलाफ प्रकरण तैयार हुए हैं। दर्री स्थित स्वाद भोजनालय पर 1 लाख रुपये, जय कृष्ण दैनिक आवश्यकताएं पर 60 हजार रुपये का जुर्माना लगा। मुरली होटल और बीकानेर मिठाई पर 50-50 हजार रुपये का दंड लगा। युवराज व्यापारी पर 30 हजार रुपये, श्याम मिठाई जेलगांव पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। शुभम दुग्धालय उरगा पर 20 हजार रुपये और सुनीता दुग्धालय उरगा पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

छत्तीसगढ़ में फेरीवाले कपड़ों की आड़ में बेच रहे गांजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अब फेरीवाले कपड़े बेचने की आड़ में गांजा बेच रहे हैं। महासमुंद और धमतरी जिले में पुलिस ने ऐसे ही अंतरराज्यीय तस्करों को पकड़ा है, जो बाइक पर कपड़े लादकर गली-गली कपड़े के बीच गांजा छिपाकर बेच रहे थे। आरोपियों की बाइक पर लोहे का सीक्रेट बॉक्स मिला है, जिसमें गांजा था। पुलिस ने महासमुंद और धमतरी में 4 अलग-अलग कार्रवाई में 378 किलो गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत करीब 1.90 करोड़ रुपए है। महासमुंद से 10 तस्कर और धमतरी में एक नाबालिग समेत 3 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि, गांजा ओडिशा से लाकर दूसरे राज्यों में सप्लाई किया जा रहा था। पुलिस ने जब पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि वे फेरी लगाकर कपड़ा बेचने का काम करते हैं। लेकिन पुलिस को उनकी बातों और एक्टिविटी पर शक हुआ। इसके बाद पुलिस ने उनकी बाइक की तलाशी ली।

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील पर सीएम साय की प्रतिक्रियाः बोले- पेट्रोल-डीजल का कम करें उपयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी ने युद्ध की वजह से विश्व में जारी वैश्विक आर्थिक संकट, बढ़ती महंगाई और भारत की अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि देशहित में लोग ईंधन की बचत करें। पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें।

अगले एक वर्ष तक शादियों के लिए सोना खरीदने से बचें। इस पर छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये पीएम मोदी की शानदार सलाह है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्द की स्थिति जारी है। इस का सभी देशों पर असर हो रहा है। कोई देश अछूता नहीं है। पीएम मोदी ने अच्छी सलाह दी है। विदेश में हमारे देश का पैसा ना जाए। इसके लिये हमें कोशिश करनी चाहिए। शादियों के लिये सोना कम खरीदें और पेट्रोल-डीजल का भी कम से कम उपयोग करें। सीएम साय ने इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा है तो वे उपाय बताएं कि ऐसे समय में क्या करना चाहिए।

पीएम मोदी ने एक दिन पहले की थी देशवासियों से अपील

पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि लोग अगले एक साल तक शादियों के लिए सोना न खरीदें। हमें विदेशी मुद्रा बचाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पीएम ने याद दिलाते हुए कि कोरोना काल में देश ने 'वर्क फ्रॉम होम', ऑनलाइन मीटिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंस जैसी व्यवस्थाओं को अपनाया था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में ईंधन की बचत करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। दुनिया भर में तेल बहुत महंगा हो चुका है। इसलिए हमें जरूरत के अनुसार ही ईंधन का इस्तेमाल करना चाहिए और अनावश्यक खर्च से बचना चाहिए।

हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार बने असम के सीएम, चार विधायकों ने भी ली मंत्री की शपथ

गुवाहाटी ए। हिमंता बिस्वा सरमा ने लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में शपथ ग्रहण कार्यक्रम में गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों रामेश्वर तेली, अतुल बोरा, चरण बोरो और अजंता नियोग ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-एनडीए शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंत्रियों के नामों की घोषणा की। शपथ लेने वाले मंत्रियों में असम गण परिषद के अध्यक्ष अतुल बोरा और बोडलैंड पीपुल्स फ्रंट के विधायक चरण बोरो शामिल हैं। ये दोनों नेता पिछली सरकार में भी कैबिनेट का हिस्सा थे।

महिला नेतृत्व के साथ-साथ अनुभवी चेहरे भी शामिल

कैबिनेट में महिला नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने के लिए अजंता नेओग को शामिल किया गया है। वह पिछली सरकार में भी मंत्री रह चुकी हैं। इनके अलावा, रामेश्वर तेली ने भी मंत्री पद की शपथ ली। तेली पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री रह चुके हैं और 2026 के विधानसभा चुनाव में वापस राज्य की राजनीति में सक्रिय हुए हैं।

स्पीकर पद के लिए रंजीत कुमार दास का नाम

असम में सरकार गठन के साथ-साथ विधानसभा अध्यक्ष के नाम पर भी मुहर लग गई है। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता रंजीत कुमार दास असम विधानसभा के अगले स्पीकर होंगे। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि पूरी टीम राज्य के विकास और समृद्धि के लिए पूरी निष्ठा से काम करेगी।

असम चुनाव में भाजपा को मिली थी शानदार जीत

इस चुनाव में भाजपा नीत एनडीए ने राज्य में शानदार प्रदर्शन करते हुए 126 में से 102 सीटों पर कब्जा किया है। भाजपा ने अकेले 82 सीटें जीतकर अपनी पकड़ मजबूत की है। इस प्रचंड बहुमत के साथ सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालेंगे। उनकी लोकप्रियता ने गठबंधन को इस ऐतिहासिक सफलता तक पहुंचाया है।

केरल में सीएम पर सस्पेंस बरकरारः दिल्ली पहुंचे कांग्रेस नेता सुधाकरन

तिरुअनंतपुरम। केरल में मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी सस्पेंस के बीच के. सुधाकरन दिल्ली पहुंचे। कांग्रेस आलाकमान के साथ होने वाली अहम बैठक में राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा होने की संभावना है। दिल्ली रवाना होने से पहले सुधाकरन ने कहा कि वह 'खुश और मुस्कुराते हुए' वापस लौटेंगे, लेकिन मुख्यमंत्री चयन पर खुलकर कुछ नहीं बोले। दिल्ली पहुंचे अन्य वरिष्ठ नेताओं में वी. एम. सुधीरन और एमएम हसन भी शामिल हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि वे आलाकमान को केरल की राजनीतिक स्थिति की जानकारी देंगे। इस बीच कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि अगले 48 घंटे में मुख्यमंत्री के नाम का एलान हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और विधायक, सहयोगी दलों व वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद फैसला लिया जाएगा। उनका कहना था कि नई पीढ़ी के नेताओं के सामने आने से स्वाभाविक रूप से मतभेद और चर्चा होती है।

तरबूज खाने से मासूम की मौत तीन का अस्पताल में इलाज जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जिले के घुरकोट गांव में सोमवार को हृदयविदारक घटना हुई। तरबूज खाने के बाद चार बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। इस घटना में एक बच्चे की मौत हो गई। तीन अन्य बच्चों का उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है।

अखिलेश धीवर (15 वर्ष) अपने परिजनों के साथ घुरकोट में था। धीवर (4 वर्ष), पिंटू धीवर (12 वर्ष) और हितेश धीवर (13 वर्ष) भी वहां मौजूद थे। सोमवार दोपहर बच्चों ने घर में रखा तरबूज खाया। कुछ घंटों बाद, दोपहर करीब 2 बजे अखिलेश की हालत बिगड़ने लगी। उसे लगातार उल्टी-दस्त और सांस लेने में तकलीफ हुई। वह बेहोश हो गया। परिजन उसे एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने अखिलेश को मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन बच्चों धीवर, पिंटू और हितेश को भी समान लक्षण दिखे। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया।

इस घटना के बाद घुरकोट और आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल है। शुरुआती आशंका है कि तरबूज में संक्रमण था या वह खराब हो चुका था। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की है। इसका उद्देश्य विषाक्तता के सटीक कारणों का पता लगाना है।

यूपी में साइको किलर गुरप्रीत सिंह का एनकाउंटरः 24 घंटे में किए थे तीन कत्ल

चंदौली ए.। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में 24 घंटे में तीन हत्याओं को अंजाम देने वाले साइको किलर गुरप्रीत सिंह को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। रात करीब 11 बजे दरियापुर में सीन रीक्रिएशन के दौरान वह पुलिस की पिस्टल छीनकर भाग रहा था। आरोपी के सीने और पेट में दो गोलियां लगी हैं। इस दौरान एसआई और जीआरपी सिपाही घायल हुए हैं। डीआईजी वाराणसी रेंज वैभव कृष्ण के मुताबिक, अमृतसर के रहने वाले गुरप्रीत सिंह ने पहली वारदात रविवार सुबह 6.45 पर पैसेंजर ट्रेन में अंजाम दी थी। जिसमें आरोपी ने ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में चढ़कर

गाजीपुर के रहने वाले 34 साल के मंगरू की हत्या कर दी थी। इसके बाद वो 10 मई की रात 1:30 बजे जम्मूतवी एक्सप्रेस में सवार हुआ और बिहार के गया के दिनेश साहू पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस घटना के बाद वो पैदल घूमता रहा, सोमवार की सुबह करीब 7:30 बजे मुगलसराय के जीवक अस्पताल पहुंचावहां भर्ती महिला लक्ष्मीना देवी पर गोली चला दी।

छत्तीसगढ़ में अंधड़-बारिश का अलर्ट 50 किमी रफ्तार से हवाएं चलेंगी

रायपुर। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ में कल यानी 13 मई से फिर अंधड़ और बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ जगहों पर गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग के मुताबिक इसका प्रदेश के तापमान पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। आज प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं। इसके बाद अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई। राजनांदगांव सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं अंबिकापुर में न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सबसे कम रहा। राजधानी आज मौसम साफ रहने की संभावना है। दोपहर या शाम के बाद बादल छाने का अनुमान है।

नीट परीक्षा रद्द : गेस पेपर में आए 410 में से 120 सवाल परीक्षा में आए थे, अब सीबीआई करेगी जांच

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने नीट यूटी 2026 की परीक्षा रद्द कर दी है। सरकार ने कहा है कि परीक्षा की नई तारीखें जल्द ही घोषित की जाएंगी। नीट परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी एनटीए ने एक बयान जारी कर बताया कि केंद्र सरकार की मंजूरी मिलने के बाद नीट यूजी 2026 परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया गया है। यह परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। हालांकि पेपर लीक की आशंका के चलते यह सवालों के घेरे में आ गई थी। एनटीए ने कहा है कि जल्द ही परीक्षा की नई तारीखों का एलान कर दिया जाएगा।

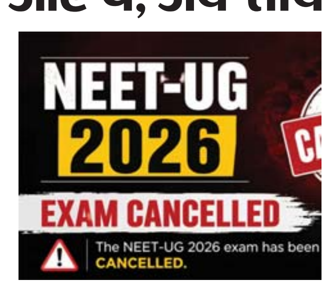

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बताया कि परीक्षा की नई तारीखें, एडमिट कार्ड का शेड्यूल आदि जल्द ही एजेंसी के आधिकारिक चैनलों के माध्यम से बता दिया जाएगा। एनटीए ने बताया कि सरकार ने अब इस संभावित पेपर लीक की जांच सीबीआई द्वारा की जाएगी।

राजस्थान से हुआ पेपर लीक का खुलासा?

3 मई को आयोजित NEET UG 2026 परीक्षा होने के बाद से ही पेपर लीक की आशंका गहराने लगी थी। राजस्थान में कई छात्रों के पास हाथ से लिखा हुआ एक कथित गेस पेपर मिला, जिसके सवाल वास्तविक परीक्षा के प्रश्नों से मेल खाते बताए गए। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ लिया। इसके बाद 10 मई को राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने 13 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इनमें सीकर के एक कोचिंग संस्थान का करियर काउंसलर भी शामिल है।

दुर्ग में युवक की हत्या, आधी रात बदमाशों ने मारा, पांच हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में कोतवाली थाना क्षेत्र में 20 साल के युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए सुबह तक इस मामले में शामिल पांच संदिग्धों को हिरासत में ले लिया।

मिली जानकारी के अनुसार राजीव नगर निवासी जितेश ठाकुर (20) अपने

दोस्तों राहुल ठाकुर और नेहरू ठाकुर के साथ सोमवार देर रात केजू राइस मिल के पास मौजूद था। इसी दौरान कुछ युवकों के साथ उनका विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि विवाद की वजह एक युवती से बातचीत को लेकर पुरानी नाराजगी थी। विवाद बढ़ा और आरोपियों ने चाकू से हमला कर दिया। हमले में जितेश ठाकुर को गंभीर चोटें आईं। आसपास मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जितेश को मृत घोषित कर दिया। वहीं राहुल ठाकुर और नेहरू ठाकुर गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। इनमें से एक युवक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। रातभर चली तलाश और पूछताछ के बाद पुलिस ने हत्या के मामले में शामिल पांच संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। बताया जा रहा है कि इस पुरानी रंजिश की वजह गर्लफ्रेंड है। युवती से बातचीत को लेकर उनके बीच पहले से विवाद चल रहा था। सोमवार देर रात फिर से दोनों पक्ष आमने-सामने आए और घटना घटी।

एआईएडीएमके में पड़ी फूट, बागी गुट का टीवीके को समर्थन देने का ऐलान

चेन्नई। तमिलनाडु में एआईएडीएमके पार्टी में दो हिस्सों में टूट गई है। पार्टी के नेता सीवी षणमुगम ने सीएम विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) को समर्थन देने का आधिकारिक ऐलान कर दिया। कहा जा रहा है कि उनके साथ 30 विधायकों ने भी विजय को समर्थन देना स्वीकार किया है। मंगलवार सुबह षणमुगम ने बयान दिया, 'हम जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं। यह जनादेश टीवीके और विजय के लिए है। इसलिए हम टीवीके सरकार को अपना समर्थन देते हैं। अगर हम डीएमकके के साथ गठबंधन करते तो एआईएडीएमके का अस्तित्व ही समाप्त हो जाता।' षणमुगम ने यह भी कहा- मेरी एआईएडीएमके तोड़ने की कोई मंशा नहीं है।

विजय सरकार का बड़ा एक्शनः स्कूलों-पूजा स्थलों के पास की 717 शराब दुकानें होंगी बंद

चेन्नई। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन के साथ ही मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कड़ा एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को अधिकारियों को राज्य भर में 717 शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया। ये सभी दुकानें पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में आती हैं। मुख्यमंत्री ने इन दुकानों को अगले दो हफ्तों के भीतर बंद करने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार के अनुसार, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन वर्तमान में पूरे तमिलनाडु में शराब की 4,765 दुकानें चलाता है। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलने के बाद अधिकारियों ने पूरे राज्य में एक विशेष सर्वे किया। इस जांच का मकसद उन दुकानों की पहचान करना था जो पूजा स्थलों, स्कूलों, कॉलेजों और बस अड्डों के बहुत करीब चल रही थीं। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने पाया कि 276 शराब की दुकानें पूजा स्थलों के पास स्थित हैं। 186 दुकानें स्कूलों और कॉलेजों के पास मिलीं, जबकि 255 दुकानें बस स्टैंडों के करीब पाई गईं। इस तरह कुल 717 दुकानों को बंद करने के लिए चिन्हित किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य शराब की दुकानों पर सख्त नियंत्रण रखना है। जनता लंबे समय से सार्वजनिक और संवेदनशील जगहों के पास शराब की दुकानों को लेकर चिंता जता रही थी। सरकार के इस फैसले से लोगों की इन शिकायतों का समाधान होगा और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित होगी और अनुशासन बना रहेगा।

संपादकीय

सोने व ईंधन का संयम

नागरिकों संग शासन-प्रशासन भी हो अनुशासित

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति शृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

> “ कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वत:स्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है।

जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है। ऐसे में राष्ट्र हितों के मद्देनजर जीवन यापन करना, राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने जैसा है। विगत में कई बार जब देश पर संकट आया तो लोगों ने राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा के लिये सोना तक दान किया। आंकड़े बताते हैं कि देश में हर साल छह सौ से सात सौ टन सोना आयात होता है, लेकिन निर्यात का प्रतिशत ना के बराबर है। बताया जाता है कि देश का नब्बे फीसदी सोना आयात होता है। यह सोना अर्थव्यवस्था में सक्रिय न होकर घरों में एकत्र हो जाता है। एक अनुमान के अनुसार देश के घरों में करीब 27 हजार टन सोना जमा है। बड़ी मात्रा में डॉलर खर्च करके आयात होने वाला सोना देश के चालू खाते और विदेशी मुद्रा भंडार पर प्रतिकूल असर डालता है। ऐसे में सोने पर संयम अर्थव्यवस्था को संबल देने में मददगार हो सकता है।

बंगाल ने खुद को फिर से ढूंढ़ लिया

हरदीप सिंह पुरी

हावड़ा कभी एशिया का शेफील्ड कहलाता था। हुगली नदी के किनारे स्थित जूट मिलें इस उपमहाद्वीप के संगठित उद्योग का सबसे बड़ा केन्द्र हुआ करती थीं। कोलकाता भारत की वाणिज्यिक राजधानी हुआ करती थी। बिड़ला एवं टाटा घरानों के साथ-साथ आईटीसी, ब्रिटानिया, कोल इंडिया, हिंदुस्तान मोटर्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के मुख्यालय भी यहीं स्थित थे। बर्नपुर स्थित इस्को की स्थापना 1918 में हुई थी, जबकि दुर्गापुर इस्पात संयंत्र द्वितीय पंचवर्षीय योजना का हिस्सा था। वर्ष 1950-51 में, बंगाल ने देश के कुल मैन्यूफैक्चरिंग उत्पादन में लगभग 27 प्रतिशत हिस्से का योगदान किया था। मैं उस कलकत्ता को जानता था। विदेश सेवा में शामिल होने से पहले, मेरी शुरुआती नौकरियों में से एक इसी शहर में हिंदुस्तान लीवर में थी। कलकत्ता तब भी एक ऐसी जगह थी, जहां अपने संदूक के साथ आने वाला एक युवक इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता था कि वह उस जगह पर आ गया है जहां से इस देश का वाणिज्य संचालित होता है। बत्तियां जलती रहीं। ट्रामें चलती रहीं। कंपनियों ने भर्तियां जारी रखीं।

जिस चीज को बनाने में एक सदी लगी थी, उसे आर्थिक कुप्रबंधन से कहीं बढ़कर सोची-समझी साजिश के जरिए ध्वस्त कर दिया गया। वाम मोर्चा ने 1977 में सत्ता संभाली। यह मोर्चा चौंतीस वर्षों तक सत्ता पर काबिज रहा। श्रमिक वर्ग के हितों की नारेबाजी का आड़ में, एक संगठित समानांतर राज्य ने जड़ें जमा लीं। मकान बनाने से लेकर दुकान चलाने, भट्टी स्थापित करने, परिवहन मार्ग को पंजीकृत कराने और पंचायत की बैठक आयोजित करने तक के लिए इजाजत लेनी होती थी। ये इजाजतें एक चंदे की एवज में मिलती थीं। कार्यकर्ता ये चंदा इकट्ठा करते थे। सत्तारूढ़ पार्टी में उसे अपने खाते में जमा करती थी। पूंजीपतियों को राज्य से निकाल बाहर करने वाली ट्रेड यूनियनबाजी इसका प्रत्यक्ष पहलू थी। जबरन वसूली से त्रस्त आम नागरिकों के वहां से निकल जाने की परिघटना तो खैर कैमरों में कैद ही नहीं हुई। वर्ष 2000 के दशक में, जब वाम मोर्चा ने खुद अपना रुख बदलने और टाटा मोटर्स को सिंगूर लाने की कोशिश की, तो विपक्ष में बैठी तृणमूल कांग्रेस ने भूख हड़ताल शुरू कर दी। परिणामस्वरूप, यह परियोजना 2008 में गुजरात चली गई। माफिया ने अपना चोला बदल लिया; वह खत्म नहीं हुआ।

वर्ष 2011 में, तृणमूल कांग्रेस 'परिवर्तन' के वादे पर सत्ता में आई। इसके बाद जो कुछ हुआ, वह नए रूप में पुरानी ही व्यवस्था के लौट आने जैसा था। चंदा, अब एवजी-रकम बन गया। कार्यकर्ता सिंडिकेट बन गए। राष्ट्रीय स्तर पर मैन्यूफैक्चरिंग में बंगाल की 27 प्रतिशत की हिस्सेदारी घटकर 5 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। कभी राष्ट्रीय औसत का 127 प्रतिशत रहने वाली, प्रति व्यक्ति आय लुढ़कर 84 प्रतिशत पर आ गई है। छह हजार से अधिक पंजीकृत कंपनियों ने अपने मुख्यालय कोलकाता से बाहर स्थानांतरित कर दिए हैं। कभी हावड़ा या साल्ट लेक में काम करने वाले बंगाल के बच्चे, अब बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में रहते हैं। अपनी नौकरी और अपने पैसों को राज्य से बाहर जाता देखने वाले, मतदाताओं को अपना हिसाब बराबर करना था और उनके हाथ में हिसाब बराबर करने का जरिया एक मतपत्र ही था।

इस बदले के केन्द्र में महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा रिकॉर्ड था, जिसका बचाव आजाद भारत के किसी भी सत्ताधारी को नहीं करना पड़ा। एक महिला मुख्यमंत्री के शासनकाल में राज्य की महिलाओं पर निर्मम अत्याचार हुए और उनकी हत्याएं हुईं। अगस्त 2024 में आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ बलात्कार हुआ और उसकी हत्या कर दी गई। रात भर घटनास्थल पर एक भीड़ द्वारा तोड़फोड़ की गई। कोलकाता पुलिस ने इस भीड़ को तितर-बितर करने की कोई कोशिश नहीं की। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस निष्कर्ष के आधार पर जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का आदेश दिया कि कोलकाता पुलिस की जांच भरोसेमंद नहीं है। जूनियर डॉक्टरों की 42 दिनों की हड़ताल हुई। इस हड़ताल में कई महिला डॉक्टर शामिल रहीं।

जनवरी 2024 में, संदेशखाली की घटना हुई। सुंदरबन के एक द्वीप की महिलाएं तृणमूल के एक जिला परिषद सदस्य के खिलाफ सड़कों पर उतर आईं। तृणमूल का वह नेता पचपन दिनों तक फरार रहा। जबकि, राज्य की पुलिस चुपचाप बैठी रही और उसके खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया। कभी अपने आंदोलनों के दौरान 'परिवर्तन' की बात करने वाली, एक मुख्यमंत्री ने एक ऐसे शासन का नेतृत्व किया जिसमें उनके राज्य की महिलाओं को उनके ही कार्यकर्ताओं के खिलाफ अदालतों व केन्द्रीय एजेंसियों की शरण लेनी पड़ी और सड़कों पर उतरना पड़ा। यह बेहद निंदनीय है। और घोर अन्यायपूर्ण भी।

बंगाल की महिलाओं को जो पीड़ा सहनी पड़ी, उसकी बराबरी केवल राज्य के युवाओं द्वारा उठाए गए नुकसान से ही की जा सकती है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई पहली छापेमारी की रात सॉल्ट लेक के एक बंद फ्लैट से 21 करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। संबंधित संपत्तियों से हुई बरामदगी के बाद कुल राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक की हो गई। तत्कालीन कैबिनेट मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी हुई। उन्होंने शिक्षा मंत्री के रूप में पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग की अध्यक्षता की थी। अप्रैल 2024 में, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक भर्ती के तहत 25 हजार सात सौ तिरपन शिक्षकों, ग्रुप-सी और ग्रुप-डी कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया। इन नियुक्तियों को भर्ती प्रक्रिया के शुरुआती दौर से ही अवैध पाया गया था। इस फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में ले जाया गया और देश की सर्वोच्च अदालत ने 2025 में इसे बरकरार रखा।

बंगाल के युवाओं को जीवन में एक मजबूत आधार प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई स्कूली भर्ती की पूरी प्रक्रिया एक ऐसे अड्डे में तब्दील हो गई, जहां पदों को बेचा जा रहा था और वैध उम्मीदवार को भर्ती की कतार दिखाई ही नहीं दे रही थी। राशन घोटाला तो इस घोटाले से भी ऊपर था। इसमें एक और मौजूदा कैबिनेट मंत्री ज्योतिप्रिया मल्लिक फंस गईं। इसके ऊपर मवेशी घोटाला, रिश्वतखोरी का धंधा और सिंडिकेट का राज था। मतदाता इन सभी गठजोड़ों को समझ गया। माफिया द्वारा संचालित राज्य में रिश्वत देने से इनकार करने वाला नागरिक सबसे पहले पीड़ित होता है।

इस रिकॉर्ड के सामने एक अलग ही तरह का रिकॉर्ड था। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चार करोड़ इक्कीस लाख घरों का निर्माण पूरा हुआ। जल जीवन मिशन के तहत पंद्रह करोड़ नल-जल के कनेक्शन लगाए गए। जबकि, 2019 में यह आंकड़ा तीन करोड़ का था। आयुष्मान भारत योजना के तहत लगभग पचपन करोड़ लाभार्थियों को पांच लाख रुपये का वार्षिक कवरेज मिला। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने बंगाल के हर कल्याणकारी कार्यक्रम में होने वाले भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। ये सभी काल्पनिक बातें नहीं हैं। बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता ने इन्हीं बातों को आधार बनाकर वोट मांगा।

उस आधार के पीछे एक नेटवर्क खड़ा था। पार्टी के बूथ के स्तर के कार्यकर्ताओं, पन्ना प्रमुखों, और चुनावी चक्रों के दौरान धमकियों, डरा-धमकाने और शारीरिक हिंसा का सामना करने वाले कार्यकर्ताओं ने प्रतिकूल परिस्थितियों में मतदाताओं के पंजीकरण, परिवहन और मतदान कराने के उन गैर-आकर्षक कामों को पूरा किया जिन्हें अन्य पार्टियों ने छोड़ दिया था। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ धमकियां, केन्द्रीय बलों के लौट जाने के बाद होने वाले हाल से जुड़ी घोषणाएं और चुनाव के बाद की हिंसा के पिछले दौरों में गई जानें, ये सब कार्यकर्ताओं के लिए हवाई बातें नहीं थी। वे इन सब अनुभवों से गुजर चुके थे। माननीय गृह मंत्री अमित शाह खुद बंगाल के विभिन्न जिलों में घूम-घूम कर देख रहे थे। कभी-कभी तो कुछ ही हफ्तों के भीतर पुराने कस्बे में दुबारा आते थे, क्योंकि वे जानते थे कि उनके कार्यकर्ता क्या कर रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे थे, वह महज चुनावी उलटफेर भर नहीं था। यह एक गढ़ को ढहाने जैसा था।

इस अभूतपूर्व जीत का सिरमौर बने चेहरे खुद अपनी कहानी बयान करते हैं। आर.जी. कर हत्याकांड के पीड़िता की मां रत्ना देबनाथ, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी ने पानीहाटी से उम्मीदवार बनाया था, ने 15 साल से चले आ रहे तृणमूल के गढ़ को ध्वस्त करते हुए भारी बहुमत से जीत हासिल की। रेखा पात्रा, जिन्होंने संदेशखाली में अपनी ही धरती पर राज्य द्वारा ठुकराए गए अधिकार की मांग रखी और उसी मांग को लेकर हिंगलगंज में चुनाव लड़ा। कुल 30 वर्षों तक वामपंथ और 15 वर्षों से तृणमूल के गढ़ रहे जिलों के मतदाताओं ने पहली बार कमल के निशान को चुना। रविवार, 4 मई 2026 को बंगाल ने हिसाब चुकता कर दिया। भारतीय जनता पार्टी ने 293 सीटों में से 206 सीटें जीतीं। दो अलग-अलग दलों के 49 वर्षों के माफिया शासन का अंत हो गया। यह केवल एक चुनावी जनादेश भर नहीं, बल्कि एक नैतिक जनादेश भी था।

जनता के इस निर्णायक फैसले पर पहले से ही सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत, 90 लाख अपात्र नाम हटा दिए गए। इन अपात्र नामों को 15 वर्षों से बनाए रखा गया था। अपात्र नामों को हटाने की कार्रवाई को हारने वाला पक्ष मतदाताओं का दमन बता रहा है। आंकड़े इस सवाल का जवाब देते हैं। जिन बीस निर्वाचन क्षेत्रों में संशोधन के दौरान सबसे अधिक नाम हटाए गए, उनमें से तृणूल कांग्रेस ने तेरह सीटें जीतीं। समसेरगंज, लालगोला, भगबानगोला, रघुनाथगंज और मेतियाबुरुज वैसे पांच निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां सबसे अधिक नाम हटाए गए। इन सभी में 2021 और 2026 के दोनों चुनावों में तृणूल के विधायक चुने गए। जीत का अंतर पुनरीक्षण के दौरान हटाए गए मतदाताओं की संख्या से कम रहने वाले उनतालीस निर्वाचन क्षेत्रों में से, छब्बीस सीटें भारतीय जनता पार्टी, इक्कीस सीटें तृणूल कांग्रेस और दो सीटें कांग्रेस ने जीतीं। लक्षित बहिष्करण से जीतने और हारने वाले दलों के बीच लगभग बराबर का बंटवारा नहीं होता। राज्य के इतिहास में सबसे अधिक 92.93 प्रतिशत मतदान ने इस सवाल का निपटारा कर दिया कि मतदाता सूची विश्वसनीय थी या नहीं। मतदाताओं के फैसले पर विवाद पैदा करके, पराजित दल केवल उस दादागिरी की ही पुष्टि कर रहा है जिसे मतदाताओं ने नकार दिया है। यह जनादेश मतदाताओं द्वारा किए जाए चयन के पीछे की बुद्धिमत्ता को भी साबित करता है।

बंगाल ने मतदान कर दिया है और वहां के लोगों ने अपना चुनाव कर लिया है। मतदाताओं की चाहत को समझना बहुत मुश्किल नहीं है। शांति और सड़कों पर पसरी हिंसा से मुक्ति। समृद्धि और उनके शहरों में रोजगारों की वापसी। स्थिरता और एक ऐसा प्रशासन, जो जीने देने के एवज में उनसे कोई रकम न ले। उस राज्य में सांस्कृतिक और आर्थिक पुनर्जागरण, जिसने देश को पहला औद्योगिक क्षेत्र, उसकी वाणिज्यिक राजधानी और राष्ट्रीय प्रशासन के प्रारंभिक निर्माता दिए। जिस कलकत्ता में मैंने काम किया, उसे फिर से हासिल किया जा सकता है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत की दिशा में अपना योगदान फिर से देने के लिए बंगाल बिल्कुल तैयार है। पिछले दशक में लिए गए हर कल्याणकारी और अवसंरचना संबंधी निर्णय के पीछे एक ऐसा प्रधानमंत्री रहा है, जो नागरिक को सर्वोपरि मानता है। उस नागरिक के प्रति विश्वास बनाए रखने के फल को अब दर्ज किया जा चुका है।

(लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं)

फुल गब्बरमय हो गई है अब पॉलिटिक्स

बंगाल में दो मुख्यमंत्री माने जा सकते हैं। एक नैतिक जीत वाला, दूसरा मुख्यमंत्री राजनीतिक जीत वाला। देश में मुख्यमंत्री, नैतिक जीत का पद भी बनाया जा सकता है।

ट्रंप ने एलियनों से जुड़ी फाइलें जारी की हैं। एक फाइल छिपा ली गई है। इस फाइल के मुताबिक ट्रंप से मिलने एलियन आया तो ट्रंप ने कहा कि मुझे नोबल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट करो। एलियन यह सुनकर भाग लिया। एलियन अब इंडिया आने की सोच रहे हैं, यहां लोग सिर्फ झालमुड़ी मांग रहे हैं।

खैर, कइयों को चीफ मिनिस्टर बनवाने वाले प्रशांत किशोर अपना एक विधायक भी न बनवा पाए बिहार में। कई हैं जिनकी कोचिंग से कई आईएएस बन गए, पर वो खुद तहसीलदार का एग्जाम भी पास न कर पाए। सचिन तेंदुलकर के कोच अगर खुद बल्लेबाज बनने की कोशिश करते, तो सचिन तो नहीं बन पाते।

बंगाल में दो मुख्यमंत्री माने जा सकते हैं। एक नैतिक जीत वाला, दूसरा मुख्यमंत्री राजनीतिक जीत वाला या देश में मुख्यमंत्री, नैतिक जीत का पद भी बनाया जा सकता है। जहां इतने तरह के मुख्यमंत्री पहले ही हैं भूतपूर्व मुख्यमंत्री, अभूतपूर्व मुख्यमंत्री, भावी मुख्यमंत्री, दावेदार मुख्यमंत्री, कार्यवाहक मुख्यमंत्री वगैरह-वगैरह।

वर्ष 2025 की आईपीएल चैंपियन टीम रॉयल चैलेंजर बंगलुरू के विराट कोहली ने अपने टीम मेंबर से कहा— ट्रॉफी को हम छिपाकर दुबई में रख देते हैं। इस बार यदि फाइनल में हम हार जाते हैं तो हम कह देंगे कि हम हारे ही नहीं हैं, हमें तो हरा दिया गया है। ट्रॉफी हम देंगे नहीं, तो इस बार भी चैंपियन हम ही माने जाएंगे। इसे जीत का ममता प्लान माना जा सकता है।

आपरेशन सिंदूर की सालगिरह पर भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विदेशी राजनयिकों को हिंदी में ऑपरेशन सिंदूर समझाया—एक होता है सिंदूर, मतलब सिर्फ सिर पर लगाते हैं। एक होता है सिंदूर—खेला, इसमें बहुत सारे ठिकानों को सिंदूरी कर देते हैं। फिर एक होता है सिंदूर-ठेला, इसमें हर आतंकी को उल्टा टांग कर फुल बॉडी सिंदूर चेक होता है। ऑपरेशन सिंदूर के वक्त पाक आर्मी जनरल ने कहा था कि रूहानी ताकतों ने उनकी मदद की थी। अब एक पाकिस्तानी नेता ने कहा कि हम इंडिया के बांध पर हमला करेंगे। इंटरनेशनल भिखारी पाकिस्तान की तरफ से रूहानी ताकतें यानी भूत जिन्ना टोपी पहनकर हमला करेंगे। तमिलनाडु में कांग्रेस पार्टी ने स्टालिन की पार्टी के साथ मिलकर विजय थलपति के खिलाफ चुनाव लड़ा। स्टालिन हारे तो दोस्ती खलास, अब कांग्रेस विजय के साथ है, जिसके खिलाफ चुनाव लड़ा था। कौन किसके साथ है तमिलनाडु में, यह समझना मुश्किल है। मतलब कुछ यूं हो रहा है जैसे शोले फिल्म में बसंती वीरू के साथ भी खुश हो, और गब्बर सिंह के साथ भी मस्त रहे। पॉलिटिक्स फुल गब्बरमय हो गई है।

भारतीय सैन्य सेवा की प्रतिज्ञा और अनुबंध के मायने

लेफ्टिनेट जनरल एसएस मेहता

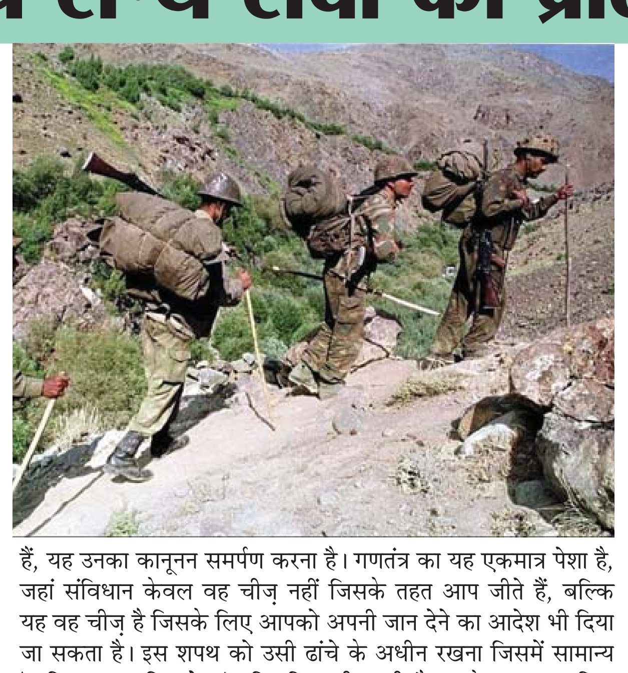

भारतीय सेना अपने लिए अलग ढांचे की हकदार है। सैनिक शपथ लेकर राष्ट्र के लिए सर्वस्व समर्पण चुनता है। जहां उसकी पहचान वर्दी ही होती है। 'जेनरेशन ज़ेड' बड़े मकसद से सेना को चुन रही है। यह सैनिक बनने का जज्बा है। जरूरी है सैन्य शपथ लेने वालों के अनुरूप नीतियां बनें। कोहिमा युद्ध स्मारक पर एक सादा-सा शिलालेख है, जिसको भारतीय भूमि पर लड़े गए भीषणतम युद्धों में एक की यादगार में लगाया था, इस पर उकेरी पंक्ति है : 'जब तुम घर लौटोगे, तो उन्हें हमारे बारे में बताना और कहना कि तुम्हारे कल के लिए, हमने अपना आज दिया'। यह कोई नारा नहीं, सच्चाई की दास्तां है।

बहुत से लोगों को पहले और दूसरे विश्व युद्ध में भारतीय सैनिकों के योगदान का तो पता है, जो तीन महाद्वीपों में लड़ी गई थीं। लेकिन बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि दूसरे विश्व युद्ध की एक लड़ाई भारतीय भूमि पर भी लड़ी गई। कोहिमा की लड़ाई, जिसे 'भूला-बिसरा युद्ध' भी कहा गया था , आज दुनिया भर के सैन्य इतिहासकार इसे द्वितीय महायुद्ध के बेहतरीन सैन्य अभियानों में से एक के रूप में मानते हैं। वर्ष 1944 में, पहाड़ी की चोटी पर -जो बाद में कोहिमा की लड़ाई का पर्याय बन गयी-सैनिक इतनी नज़दीकी से लड़े कि आमने-सामने की खंदकों के बीच पड़ता टेनिस कोर्ट ही युद्ध का मैदान बन गया। वर्षों बाद वह शिलालेख न केवल प्राप्त विजय के बारे में है, बल्कि उससे कहीं अधिक गहरी चीज़ का प्रतीक बन गया : अपने आप में सैन्य सेवा की प्रकृति का। इसने कुछ नया नहीं रचा। यह तो एक प्राचीन विरासत पर मुहर लगाता है- भारतीय सैनिक की सभ्यतागत विरासत पर।

ऐतिहासिक रूप से, भारतीय सैनिक सदा बलिदान देने के लिए स्वेच्छा से अग्रणी रहा है। यह खासियत मायने रखती है। आज इसका महत्व पहले से कहीं अधिक है। दूसरों के उलट, सैनिक अपनी मर्ज़ी से नौकरी नहीं छोड़ सकता, न यूनियन बना सकता है, न ही तबादले के खिलाफ़ मुक़दमा कर सकता है, और न ही वह किसी ऐसे आदेश को मानने से इनकार कर सकता है जिसकी वजह से उसकी जान भी जा सकती हो। यह महज एक जीवनशैली चुनने का मामला नहीं। जो हक अन्य नागरिकों के पास होते हैं, यह उनका कानूनन समर्पण करना है। गणतंत्र का यह एकमात्र पेशा है, जहां संविधान केवल वह चीज़ नहीं जिसके तहत आप जीते हैं, बल्कि यह वह चीज़ है जिसके लिए आपको अपनी जान देने का आदेश भी दिया जा सकता है। इस शपथ को उसी ढांचे के अधीन रखना जिसमें सामान्य 'दायित्व-आधारित सेवा' परिभाषित की जाती है, न केवल प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि एक 'श्रेणीगत त्रुटि' भी होगी।

लेकिन सैनिक का दायित्व शरीर से आगे उसके 'स्व'में समा जाता है। वह उन सब चीज़ों को छोड़ देता है, जो बतौर नागरिक जीवन में उसको अलग पहचान देती हैं। मसलन, भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, राजनीतिक पसंद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं-ये सभी इंसान के तौर पर उसका हिस्सा तो बनी रहती हैं, लेकिन उस विस्तारित मानसिकता पर हावी नहीं हो पातीं, जिसमें वह स्वयं को ढाल चुका होता है। यह बदलाव क्रियान्वयन से जुड़ा है। गोलीबारी के बीच पहचान प्रबंधन की खातिर एकजुटता खारिज नहीं हो सकती। रेजिमेंट काम कर पाती है क्योंकि वर्दी 'स्व' की जगह कुछ बड़ा स्थापित कर देती है। पहचान अहलदा रखनी पड़ती है क्योंकि ज़िंदा रहने, कमान और भरोसे के लिए यह करना जरूरी है।

अंतत: सैनिक हरेक नागरिक का सैनिक बन जाता है। जब वह बाढ़, आग या हिंसा-दंगे के बाद राहत पहुंचाने किसी के द्वार पहुंचता है, तो वह उससे उसकी जाति नहीं पूछता। न ही सैनिक अपनी जाति बताता है। भारतीय समाज को बांटने वाली चीज़ें उस दहलीज पर पहुंचते ही मिट जाती हैं। वह निजी पहचान रूपी टुकड़े को वहां पहुंचने से बहुत पहले तज चुका होता है। सेवा चयन बोर्ड में भर्ती के वक्त। पासिंग-आउट परेड में। पहली बार जब वह वर्दी पहनता और समझ बन जाती है कि यह उससे क्या चाहती है। नौकरी के लिए यह त्याग वक्ती नहीं। सेवा का सबसे गहरा रूप है। दरवाज़े पर पहुंचा सैनिक बतौर एक देश आया है। बिना भेदभाव, बिना संकोच, बिना किसी शर्त के राहत पहुंचाने। भारत में सेना उन चंद संस्थाओं में से है, जहां 'अनेकता में एकता' नारा न होकर कामकाजी अनिवार्यता है। यह उपलब्धि, हमारे गणतंत्र की बड़ी संस्थागत सफलताओं में से एक है।

'जेनरेशन ज़ेड' (1997 से 2012 के बीच पैदा हुई पीढ़ी) इसे सहज बोध से जानती है। यह पीढ़ी संस्थाओं का महिमामंडन नहीं करती। अपनी एकमात्र ज़िंदगी कैसे बिताई जाए, इस बारे में सोच-समझकर भर्ती होती है। यह पीढ़ी पहचान से भरपूर ऐसी दुनिया में पली है, जिसमें प्रत्येक मंच पर उसे बढ़िया कर दिखाना, खुद को बेहतर दिखाना पड़ता है। 'स्व' अब प्रदर्शन बन गया जो थकाऊ होता है। फिर उनका सामना वर्दी से होता है। वर्दी कहती है: यहां, इनमें से किसी भी चीज़ के मायने नहीं। उनमें से कई के लिए, यह कोई बलिदान न होकर एक राहत है। सेना वह प्रदान करती है जो कोई नवाचार, वेतन और इन्फलुएंसर अर्थव्यवस्था नहीं दे सकती: एक ऐसा उद्देश्य जो 'स्व' को अपने अंदर समाहित कर ले और उसके बदले कहीं ज़्यादा बड़ा लौटाए। नयी पीढ़ी खुद को न्योछावर करने से भाग नहीं रही। उसे तलाश है ऐसी जगह की, जहां उसका 'स्व' अंतत: तिरोहित हो जाए। और वह जगह है वर्दी।

आज जो युवा स्वयंसेवक आगे आता है, वह भर्ती आंकड़ों का कोई इत्तेफाक नहीं, न ही किसी और युग की यादें। 'जेनरेशन ज़ेड' ने न सिर्फ अपनी रुचि से, बल्कि अपने परिवार, साथियों और आसपास के नैतिक माहौल से विरासती मूल्यों से भी आकार पाया है। इसी निरंतरता के बीच कहीं न कहीं, सैनिक बनने की विरासत आज भी इस गणतंत्र की रगों में ज़िंदा है। यही वजह कि सैनिक बनने का आकर्षण कायम है। हर पीढ़ी, अपने दबावों के बीच,अपनी भाषा में, सैनिक शपथ लेना फिर से चुनती आई है।

1948, 1971 और कारगिल से लेकर 'ऑपरेशन सिंदूर' तक-एक के बाद एक पीढ़ी ने शपथ की पुकार को बिना कोई मोल-भाव किए सुना है। पहाड़ों, रेगिस्तानों, जंगलों, उग्रवाद से लड़ाई वाले माहौल और मानवीय संकटों में, भारतीय सैनिक ने बारम्बार वह कर दिखाया है जो आधुनिक दुनिया में लुप्त हो रहा है: संवैधानिक सीमाओं के भीतर एक अनुशासित फौज। भारत की सैन्य परंपरा न केवल विजय प्राप्ति से बल्कि सदा से आक्रमण करने, नियंत्रण बनाने और फिर वापसी करने से बंधी रही है। हालांकि, शपथ का भाव दोनों ओर बरकरार रखना जरूरी है। देश अक्सर सैन्य सेवा को केवल प्रत्यक्ष बलिदान के पलों से मापता है। लेकिन इसका गहरी कीमत खामोश, धीमी और जुड़ती जाने वाली होती है। जो अधिकारी वक्त से पहले सेवामुक्ति ले लेते हैं, उन्होंने भी राष्ट्र को उतने ही दशक दिए होते हैं जिनका इस्तेमाल अन्य पेशे वाले लोग अपना कैरियर, धन-दौलत, पहचान और सुरक्षा के लिए करते हैं।

फौजी केवल अपनी जान ही जोखिम में नहीं डालता, कमाई के अपने अहम दशकों को भी न्योछावर करता है। सैन्य सेवा के लिए यह बलिदान वक्ती नहीं,इसकी संरचना का ही हिस्सा है। राष्ट्र को युद्ध में नेतृत्व करने वाले युवा चाहिये। उसे ऐसी सेना चाहिए जो दबाव में भी आगे बढ़ने, डटे रहने, सही फैसले लेने में सक्षम हो। इसलिए, संकुचित सैन्य कार्यकाल कोई प्रशासनिक त्रुटि नहीं। यह इस संस्था के अपने कामकाजी तरीके का हिस्सा है।

जब कोई युवा इस बात को समझ लेता है, खुली आंख से आगे बढ़ता है और उस सैनिक शपथ को लेने का मन बना लेता है, तब गणतंत्र का उस व्यक्ति के प्रति लिखित उत्तरदायित्व महज रस्मी न होकर संरचना में, नीतियों में और रूपरेखा में हो।

लेखक ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान ढाका तक पहुंची टैंक टुकड़ी का नेतृत्व किया था। वे सेना की पश्चिमी कमान के पूर्व कमांडर और पुणे इंटरनेशनल सेंटर के संस्थापक ट्रस्टी हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

महात्मा गांधी द्वारा लिखित 91 साल पुरानी चिट्ठी मिली

दुर्ग। 1935 में महात्मा गांधी द्वारा दुर्ग के स्वतंत्रता सेनानी उदय प्रसाद ताम्रकार को प्रेषित चिट्ठी मिली है जिसे सोमवार को उदय प्रसाद ताम्रकार के पुत्र अशोक ताम्रकार ने कलेक्टर अभिजीत सिंह को अवलोकन के लिए प्रस्तुत किया। अशोक ने बताया कि उदय प्रसाद ताम्रकार हमेशा स्वतंत्रता संग्राम में गांधी जी के साथ खड़े रहे। उनके बीच लगातार पत्र व्यवहार होता था। चिट्ठी में अंग्रेजों के समय का स्टांप लगा हुआ है, जिसमें वर्धा 5 पीएम, उदय प्रसाद मालगुजार ननकट्टी बोड़ेगांव लिखा है। उसके बाद महात्मा गांधी जी ने चिट्ठी में लिखा है कि भाई उदय प्रसाद मुझे तुम्हारे पत्र याद आते हैं। बता दें कि भारत सरकार के ज्ञानभरतम मिशन अंतर्गत प्राचीन पांडुलिपियों पहचान कर उन्हें संरक्षित किया जा रहा है।

बटालियन में जवानों को योग स्ट्रेस प्रबंधन के दिए गए टिप्स

दुर्ग। प्रथम बटालियन परिसर में पुलिस जवानों के लिए विशेष योग एवं तनाव प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें करीब 300 जवानों ने भाग लिया। स्वावलंबी योग के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में योग मास्टर आनंद सिंह ने सत्र का संचालन किया। सत्र में योग, प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि नियमित अभ्यास से एकाग्रता, धैर्य और निर्णय क्षमता बढ़ती है, जिससे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी बेहतर प्रदर्शन संभव होता है। लिकेश्वर साहू, भूमिका पांडे, वंदना साहू, प्रियंका अग्रवाल ने भी प्रशिक्षण दिया। डिप्टी कमांडेंट मिता पवार मौजूद रहीं।

गुरुद्वारा को मिला डेड बॉडी फ्रीजर, निःशुल्क मिलेगी सेवा

दुर्ग। शहर में आम नागरिकों की सुविधा के लिए स्टेशन रोड स्थित गुरुद्वारा को डेड बॉडी फ्रीजर दान किया गया है। यह फ्रीजर दिवंगत होम्योपैथी चिकित्सक ममता चंद्राकर की स्मृति में उनके जन्मदिन के अवसर पर चंद्राकर परिवार, दुर्ग की ओर से उपलब्ध कराया गया। परिवार ने बताया कि कई बार परिजन दूर–दराज क्षेत्रों में रहते हैं और समय पर पहुंच नहीं पाते, ऐसी स्थिति में पार्थिव देह को सुरक्षित रखने के लिए डेड बॉडी फ्रीजर की जरूरत पड़ती है। शहर में अनेक परिवारों के बच्चे विदेश में रहते हैं जिनको स्वदेश लौटने में वक्त लगता है। जिसके कारण फ्रीजर की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह सुविधा शहर के लोगों के लिए निःशुल्क रखी गई है। गुरुद्वारा परिसर में यह फ्रीजर उपलब्ध रहेगा और जरूरत पड़ने पर संबंधित परिवार स्टेशन रोड गुरुद्वारा से संपर्क कर सकता है।

दुर्ग के खेल प्रेमियों को बड़ी सौगात

महापौर अलका ने निभाया वायदा, हाईमास्ट लाइट से रौशन हुआ जवाहर नगर का सबसे बड़ा खेल मैदान

- जवाहर नगर खेल मैदान में बढ़ी सुरक्षा और सुविधाएं
- खेल को मिलेगा बढ़ावा, असामाजिक गतिविधियों पर लगेगी रोक

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 18 जवाहर नगर पटरी पार का सबसे बड़ा खेल मैदान में हाईमास्ट लाइट स्थापना का कार्य पूर्ण होने पर आज दुर्ग की प्रथम नागरिक महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने लोकार्पण किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शेखर चन्द्राकर, पार्षद सुरूचि उमरे, पार्षद विद्यावती सिंह, रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, ललिता अरुण सिंह, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि दशहरा पर्व 2 अक्टूबर 2025 के अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा जवाहर नगर खेल मैदान में हाईमास्ट लाइट लगाने की घोषणा की गई थी, जिसे अब पूर्ण कर नागरिकों को समर्पित किया गया। हाईमास्ट लाइट शुरू होने से पूरा खेल मैदान रोशनी से जगमगा उठा, जिससे खिलाड़ियों एवं नागरिकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

लोकार्पण अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि खेल मैदानों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था होने से मैदान में किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगेगी और यह मैदान केवल खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों के लिए उपयोग में आएगा। साथ ही महिलाओं, बच्चों एवं स्थानीय नागरिकों को भी सुरक्षित वातावरण प्राप्त होगा।

महापौर ने आगे कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार एवं विकास कार्य निरंतर जारी हैं। नागरिकों से किए गए वादों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है तथा आने वाले समय में भी खेल, सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं को लेकर कार्य किए जाएंगे।

हाईमास्ट लाइट लोकार्पण पर वार्डवासियों एवं खिलाड़ियों ने महापौर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से खेल मैदान में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, जो अब पूरी हो गई है। इससे युवाओं को शाम के समय भी बेहतर वातावरण में खेल अभ्यास की सुविधा मिल सकेगी।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर मूर्तिकार अंकुश ने की अपील - 'स्वस्थ हो तो साइकिल चलाओ'

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सुप्रसिद्ध मूर्तिकार डॉ अंकुश देवांगन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईरान अमेरिका युद्ध को देखते हुए पेट्रोल बचाने की अपील का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि देश हित में आज से वे साईकिल से ही ड्यूटी जाएंगे। ज्ञात हो कि अंकुश देवांगन भिलाई इस्पात संयंत्र, मेडिकल विभाग के जन्म मृत्यु कार्यालय में पदस्थ हैं। इसके अलावा वे छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम कलाकार हैं जो संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली में ललित कला अकादमी के बोर्ड मेंबर बने हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों से इत्तेफाक रखते हुए समस्त नागरिकों से अपील की है कि ऐसे कठिन समय में पेट्रोल बचत ही सच्चा देशप्रेम है। उन्होंने साईकिल कैंपेन का आगाज करते हुए लोगों को चैलेंज दिया है कि स्वस्थ हो तो साइकिल चलाओ, और इस दुनिया को हसीन बनाओ।

अंकुश अपनी कला के माध्यम से सामाजिक सरोकार के कार्यों के लिए जाने जाते हैं। वे छत्तीसगढ़ के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 36 वर्षों हिंसा छोड़ो कला से नाता जोड़ो आंदोलन चला रहे हैं। जिसके अंतर्गत वे बच्चों को निशुल्क चित्र/मूर्तिकला सिखाते हैं और अपने खर्चे से उन्हें कलासामग्री का भी वितरण करते हैं ताकि ये बच्चे शिक्षित और सृजनशील हो सकें और हिंसा के रास्ते में न जाएं। भिलाई सिविक सेंटर में कृष्ण अर्जुन रथ, सेल परिवार चौक, रूआबांधा में पंथी चौक, सेक्टर 1 में श्रमवीर चौक, बोरिया गेट में पीएम ट्राफी चौक, भिलाई निवास में नटराज, दल्ली राजहरा में छः मंजिली इमारत जितना बड़ा कृष्ण अर्जुन भीष्म पितामह लौहरथ, आदि उनकी ही देन हैं।

कबीर प्राकट्य दिवस का आयोजन 16 मई को

दुर्ग। पोटियाकला क्षेत्र के वार्ड 54 स्थित कबीर आश्रम में कबीर प्राकट्य दिवस का आयोजन 16 मई को किया जाएगा। आश्रम में यह पर्व बरसाईत पूर्णिमा के अवसर पर कई वर्षों से प्रतिवर्ष मनाया जाता रहा है। इस बार 629वां कबीर प्राकट्य दिवस मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सात्विक यज्ञ, चौका और आरती का संपादन महंत खोरबाहरा साहेब करेंगे। आश्रम प्रबंधन के अनुसार आयोजन में आश्रम के पदाधिकारी, सदस्य, क्षेत्र के जनप्रतिनिधि और वार्डवासी शामिल होंगे।

सफाई के बाद ही भेलवा तालाब में होगा जलभराव, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम जोन–1 नेहरू नगर अंतर्गत स्थित भेलवा तालाब में जलभराव कार्य के दौरान पानी निकासी स्थल पर कचरा जमा होने से पानी का प्रवाह बाधित हो गया है। स्थिति को देखते हुए निगम अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया तथा तालाब की सफाई कराने के निर्देश दिये गये।

अधिकारियों ने बताया कि तालाब की समुचित सफाई के लिए पहले पानी की दिशा परिवर्तित कर सफाई कार्य कराया जायेगा, इसके बाद पुनः तालाब में जलभराव का कार्य प्रारंभ किया जायेगा, जिससे भविष्य में जल निकासी की समस्या उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान भेलवा तालाब के समीप नवनिर्मित नाला निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने नाला निर्माण की गुणवत्ता एवं जल निकासी व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त येशा लहरे, उप अभियंता बसंत साहू मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में लापरवाही : ठेका एजेंसी मित्ताल का कार्य अनुबंध किया निरस्त

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के एएचपी घटक के तहत गोकुल नगर एवं गणपति विहार परियोजना में कुल 444 आवास निर्माण एवं बाह्य विकास कार्य हेतु मेसर्स अशोक कुमार मित्तल, कोरबा को वर्ष 2018 में कार्यादेश जारी किया गया था। निर्धारित 18 माह की समयसीमा में कार्य पूर्ण किया जाना था, किंतु लगभग 07 वर्ष बीत जाने के बाद भी एजेंसी द्वारा कार्य पूर्ण नहीं किया गया।

निगम अधिकारियों द्वारा समय–समय पर स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्य में पाई गई कमियों एवं धीमी प्रगति को लेकर एजेंसी को कुल 13 नोटिस जारी किए गए। एजेंसी को कई अवसरों पर समयवृद्धि भी प्रदान की गई, बावजूद इसके कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। कोविड–19 महामारी के बाद भी विभाग द्वारा लगातार भुगतान एवं निर्देश जारी किए जाने के बावजूद एजेंसी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की जाती रही।

गोकुल नगर परियोजना अंतर्गत 336 आवासों में से 35 हितग्राहियों को आवास आबंटित किए जा चुके हैं, किंतु निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण हितग्राही आवास ग्रहण करने एवं किश्त जमा करने में रुचि नहीं ले रहे हैं। वहीं गणपति विहार परियोजना के 108 आवास भी अपूर्ण पाए गए हैं। उक्त कार्यों का भुगतान एजेंसी की सुरक्षा निधि एवं धरोहर राशि से किए जाने का प्रस्ताव है।

निरीक्षण उपरांत एजेंसी को फरवरी 2026 में एक माह के भीतर फिनिशिंग, विद्युतीकरण, रंगाई–पुताई, सैनीटरी वर्क, सम्पवेल एवं सेप्टिक टैंक का निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे, किंतु स्थल पर पर्याप्त श्रमिक नहीं लगाए गए।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा परियोजना को 30 सितम्बर 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं, परंतु वर्तमान प्रगति को देखते हुए लक्ष्य प्राप्ति संभव नहीं प्रतीत होने पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा अनुबंध की कंडिका 1.15 के तहत मेसर्स अशोक कुमार मित्तल, कोरबा के साथ निष्पादित अनुबंध समाप्त कर कार्यादेश निरस्त कर दिया गया है। साथ ही धरोहर एवं सुरक्षित राशि राजसात की जा रही है।

टैगोर जयंती पर 8 से 80 साल तक के कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

भिलाई। भिलाई नगर कालीबाड़ी, सेक्टर-6 के परिसर में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की 165वीं जयंती श्रद्धा, संगीत और संस्कृति के रंगों के साथ मनाई गई। बड़ी संख्या में शहरवासी देर रात तक रवीन्द्र संगीत में डूबे रहे। मंच पर 8 वर्ष से लेकर 80 वर्ष तक के कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को गुरुदेव के साहित्य, संगीत और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है।

भिलाई निगम क्षेत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की समीक्षा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने स्वच्छता को लेकर समीक्षा बैठक लिए। जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के आधार पर कार्य को प्राथमिकता देने कहा गया है। बल्क वेस्ट जेनरेटर, समय–सीमा का निर्धारण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु उपलब्ध अधोसंरचना का अंकेक्षण, लीगेसी वेस्ट डंपसाइट, मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी, ठोस अपशिष्ट संग्रहण हेतु क्रय किये जा रहे कार्यों को प्राथमिकता देने कहा है। नवीन वाहनों एवं पूर्व से कार्यरत वाहनों में चार–कक्षीय संग्रहण, जन जागरूकता, आनलाइन शिकायत, शिक्षण संस्थाओं की सहभागिता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का क्रियान्वयन नहीं होने की स्थिति में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार अर्थदण्ड का प्रावधान किया गया है।

निगम आयुक्त ने समीक्षा बैठक में सभी नागरिकों से अनुरोध किए हैं, सभी नागरिक अपनी घरों से निकलने वाले कचरा को पृथक करके महिला स्व सहायता समूह की दीदियों को दें जिससे एसएलआरएम सेंटर के कार्यों को आसान किया जा सके। स्कूल, अस्पताल एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों में सामुदायिक शौचालय का उपयोग पश्चात् अन्य व्यक्ति हेतु साफ सुथरा वातावरण रखने हेतु आम नागरिकों से अनुरोध किया गया है।

आयुक्त के आदेशानुसार मुख्य कार्यालय एवं पांच जोन के स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम अपने–अपने मैदानी क्षेत्रों में कार्ययोजना बनाकर कार्य करेगें। साथ ही प्रचार–प्रसार के माध्यम से जन जागरूकता लाएंगे।

रेलयात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने छत्तीसगढ़ चेम्बर ने सौंपा ज्ञापन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में मंडल रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य एवं चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन ने क्षेत्र की रेल सुविधाओं को बेहतर बनाने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को व्यापक मांग पत्र सौंपा है। समिति के सदस्य लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेंद्र शादीजा ने संयुक्त रूप से महाप्रबंधक से मुलाकात कर रायपुर रेलवे स्टेशन सहित मंडल के अन्य स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के विस्तार, सुरक्षा और अधोसंरचना में सुधार की आवश्यकता जताई। चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि रायपुर स्टेशन पर बढ़ती भीड़ के मद्देनजर टिकट एटीएम मशीनों की संख्या बढ़ाने, प्लेटफार्म नंबर 2 से 7 तक शेड के विस्तार और वॉटर स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने की मांग की। जनरल और स्लीपर क्लास के यात्रियों के लिए प्लेटफार्मों पर जनता खाना स्टॉल लगाने का सुझाव दिया गया। सदस्यों ने रायपुर से दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और अमृतसर, आदि महानगरों के लिए नई साप्ताहिक ट्रेनें शुरू करने का आग्रह किया। साथ ही, दुर्ग–टाटानगर और दुर्ग–भोपाल मार्गों पर यात्रियों के अत्यधिक दबाव को देखते हुए नई वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से, रायपुर रेल मंडल के सरस्वती नगर और डब्ल्यूआरएस जैसे छोटे स्टेशनों पर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों को रोकने के लिए रात्रि पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की गई।

डायरेक्ट टैक्स पर सीआईआरसी का दो दिवसीय वर्कशॉप सफल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। आईसीएआई भिलाई शाखा (सीआईआरसी) द्वारा डायरेक्ट टैक्स कमेटी ऑफ आईसीएआई के सहयोग से 8 एवं 9 मई 2026 को आईसीएआई भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में दो दिवसीय डायरेक्ट टैक्स वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। इस ज्ञानवर्धक कार्यशाला में लगभग 150 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस के उद्घाटन सत्र में छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अशोक राठी की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। अतिथियों ने वर्तमान समय में प्रत्यक्ष कर विषय की उपयोगिता एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ भिलाई शाखा के अध्यक्ष सीए सुखदेव राठी के संबोधन से हुआ। प्रथम दिवस में सीए आशीष गोयल, इंदौर द्वारा कैपिटल गेन टैक्सेशन एवं आईएफए 2025 के अंतर्गत अनअकाउंटेड इनकम विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात सीए मिलिंद वाधवानी, इंदौर ने एनपीओ एवं अपील फाइलिंग के ड्राफ्टिंग टिप्स विषय पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। दिन के अंतिम सत्र में सीए कुशल सोनी, कोटा ने टीडीएस एवं टीसीएस तथा रीपील एवं सेविंग्स विषय पर उपयोगी जानकारी साझा की।

द्वितीय दिवस में सीए अंकित सोमानी, अजमेर ने बेसिक फ्रेमवर्क एवं हेड्स ऑफ इनकम विषय को सरल एवं प्रभावी ढंग से समझाया। सीए पंकज शाह ने असेसमेंट एवं री–असेसमेंट विषय पर अपने अनुभव साझा किए। अंतिम तकनीकी सत्र में सीए अभिषेक जैन ने मेंटेनेंस ऑफ बुक्स ऑफअकाउंट, टैक्स ऑडिट एवं प्रिजम्प्टिव टैक्सेशन विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में भिलाई शाखा के पूर्व अध्यक्षगण सीए संजीव अग्रवाल, सीए माइनेश जैन, सीए पीयूष जैन, सीए पदम बराड़िया, सीए अमित राय, सीए प्रदीप पाल, सीए राकेश धोड़ी, सीए एन. के. टौंक, सीए बस्ती मल सुराना, सीए पायल जैन, सीए राजेश बाफना, सीए जवेरी लाल जैन, सीए प्रफुल्ल कोठारी एवं सीए राहुल बत्रा की विशेष उपस्थिति रही।

आयोजन में उपाध्यक्ष सीए दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष सीए प्रभजीत सिंह जग्गी एवं सीकासा चेयरमैन सीए तलविंदर सैनी का सक्रिय सहयोग रहा।

सनातन संस्कृति और आस्था का प्रतीक है सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व अटूट आस्था के 1000 वर्ष कार्यक्रम का आयोजन प्राचीन शिव मंदिर देवबलौदा में जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, दुर्ग की महापौर अलका बाघमार ने प्राचीन शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव की पूजा–अर्चना कर प्रदेश एवं शहरवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा की गई पूजा–अर्चना का सीधा प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। हजारों वर्षों से हमारी परम्पराएं समाज को एकता, विश्वास और आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और धार्मिक विरासत से जोड़ने का कार्य करते हैं। देवबलौदा स्थित प्राचीन शिव मंदिर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां दूर–दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। आयोजन में अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, कलेक्टर अभिजीत सिंह, तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री रमशिला साहू उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

घुघवा समाधान शिविर में तारकेश्वरी को तुरंत मिला लर्निंग लाइसेंस

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में लोगों के लिए समाधान और सुविधा का नया केंद्र बन रहा है। जिन समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे, अब वही सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में मिल रही हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत घुघवा एवं ग्राम पंचायत ढौर में समाधान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों को लर्निंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराई गई। पहले लोगों को लर्निंग लाइसेंस बनवाने के लिए बार-बार परिवहन कार्यालय जाना पड़ता था, जिससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी। कई लोगों को लाइसेंस नहीं होने के कारण वाहन चलाते समय पुलिस कार्रवाई का डर भी सताता रहता था। ग्राम पंचायत घुघवा समाधान शिविर में पहुंचे तारकेश्वरी बहादुर ने लर्निंग लाइसेंस प्राप्त होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि अब उन्हें दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

संग्राहकों की मेहनत, शासन की दूरदर्शी पहल ने तेंदूपत्ता के माध्यम से खोली समृद्धि की राह

रायपुर। जेठ की तपती धूप के बीच रामपुर के जंगलों में एक बार फिर 'हरे सोने' यानी तेंदूपत्ता संग्रहण की रौनक लौट आई है। लंबे इंतजार के बाद शुरू हुए इस सीजन ने ग्रामीणों, खासकर महिलाओं के चेहरों पर नई उम्मीदों की मुस्कान ला दी है। इस वर्ष संग्रहण कार्य की विधिवत शुरुआत रामपुर केंद्र में पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिला हितग्राही शामिल हुए। सुबह सूरज उगने से पहले ही कोरबा जिले के रामपुर की कारी बाई पटेल और खेमबाई पटेल अपने परिवारों के साथ जंगल पहुँच गई थीं। दोपहर होते-होते जब वे तेंदूपत्ते की गड्डियाँ लेकर खरीदी केंद्र पहुँचीं, तो वहाँ का माहौल उत्सव जैसा दिखाई दिया। कई तेंदूपत्ता संग्राहकों के बीच दोनों ने खरीदी केंद्र में आज की 'बोहनी' की। श्रीमती कारी बाई ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारी खरीदी समय पर शुरू होने से उन्हें बिचौलियों से राहत मिली है। सीधे फड़ में पत्ता बेचने से उचित पारिश्रमिक और बोनस की गारंटी मिलती है, जिससे पूरे साल का आर्थिक प्रबंधन सुगमता से चलता है।

छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय गौरवः प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के उत्कृष्ट रख-रखाव में देश में मिला दूसरा स्थान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण अधोसंरचना के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश के सीहोर (भेरूंदा) में आयोजित रजत जयंती समारोह में छत्तीसगढ़ को ग्रामीण सड़कों के उत्कृष्ट रखरखाव और संधारण के लिए देश भर में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के कुशल नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने और उनके दीर्घकालीन रखरखाव के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित कई केंद्रीय राज्य मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राज्य की ओर से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह तथा प्रमुख अभियंता के.के. कटारे ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। छत्तीसगढ़ को यह सम्मान रखरखाव (पोस्ट डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड) श्रेणी में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मिला है। राज्य की इस सफलता के पीछे निम्नलिखित प्रमुख कारण रहे। ई-गवर्नेंस आधारित इस पोर्टल के माध्यम से सड़कों की निगरानी और ठेकेदारों के भुगतान की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया। दोष दायित्व अवधि के बाद भी सड़कों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग सिस्टम। यह अवार्ड राज्य में सड़कों की गुणवत्ता, सुशासन और बेहतर ग्रामीण कनेक्टिविटी के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रजत जयंती समारोह में राज्य को किया सम्मानित

आंकड़ों में छत्तीसगढ़ की उपलब्धि

सड़क नवीनीकरण वर्ष 2010-11 से अब तक 32 हजार किमी लंबी 8,881 सड़कों का नवीनीकरण किया गया, जिस पर 4,040 करोड़ रुपये व्यय हुए। वर्तमान में 5 वर्ष की संधारण अवधि के तहत 1,157 किमी और 5 वर्ष के बाद की श्रेणी में 12 हजार किमी से अधिक सड़कों का नियमित संधारण किया जा रहा है। जनमन सड़कें देश की कुल जनमन सड़कों का 38 प्रतिशत हिस्सा (2900 किमी) छत्तीसगढ़ में है, जिसमें से 1 हजार 760 किमी का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जो देश में सर्वाधिक है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकासरू पिछले एक वर्ष में बस्तर संभाग जैसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में 52 नई सड़कों का निर्माण पूरा किया गया।

शत-प्रतिशत लक्ष्य की ओर

छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्मित ग्रामीण सड़कों के उत्कृष्ट रखरखाव और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ को देश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ राज्य ने पीएमजीएसवाई-1 के तहत 98 प्रतिशत और पीएमजीएसवाई-2 व 3 के तहत 100 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिए हैं।

नगरीय प्रशासन विभाग की नई सचिव शंगीता आर. पहुंची इंद्रावती भवन

योजनाओं का पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की नई सचिव शंगीता आर. ने सवेरे नवा रायपुर में इंद्रावती भवन पहुंचकर विभागीय संचालनालय और सूडा कार्यालय का भ्रमण किया।

उन्होंने इस दौरान सभी कार्यालयीन कक्षों में जाकर अधिकारियों-कर्मचारियों से बातचीत कर उन्हें कार्यस्थील पर समयबध्द् उपस्थिति, प्रशासनिक कुशलता और तन्मयता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विभागीय तथा सूडा के अधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सभी अधिकारियों को योजनाओं के समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगरीय प्रशासन विभाग की नवपदस्थ सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने इंद्रावती भवन में अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों और योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने

नगरीय निकायों के कार्यों, योजनाओं, अधोसंरचना विकास, स्वच्छता, जलप्रदाय, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन तथा अन्य शहरी विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने सर्वजन हिताय के मूल-मंत्र को ध्यामन में रखते हुए नागरिकों की सुविधा के लिए समयबध्द तरीके से कार्य करने के लिए अधिकारियों को प्रेरित किया।

सचिव श्रीमती शंगीता आर. ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं प्रभावी रूप से उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी कार्यों और परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए लंबित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति, प्रगति तथा आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। विभागीय योजनाओं के बेहतर संचालन, कार्यों में तेजी लाने तथा नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने को लेकर भी बैठक में विस्तार से चर्चा हुई।

विभागीय सचिव शंगीता आर. ने बैठक में साझा किया कि आज ही के दिन वर्ष 2005 में उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बनने का गौरव प्राप्त किया था। उन्होंने इस विशेष पल को याद करते हुए अपने निजी जीवन और प्रशासनिक सफर के अहम पड़ावों को बैठक में मौजूद लोगों के साथ साझा किया।

सूडा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शशांक पाण्डेय, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दुष्यंत कुमार रायस्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य, मुख्य अभियंता राजेश शर्मा और संयुक्त संचालक मिथिलेश अवस्थी सहित नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग और सूडा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे।

खुशियों की चाबी से बदली जिंदगीः कच्चे घर से पक्के आशियाने का सफर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बरसात के दिनों में टपकती छत, गर्मी में तपता घर और हर मौसम के साथ बढ़ती चिंताएंए जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम सोनसरी निवासी धीरेंद्र कुमार कुर्रे के परिवार की जिंदगी कुछ ऐसी ही मुश्किलों के बीच गुजर रही थी। लेकिन अब वही परिवार अपने नए पक्के घर में सुकून और सुरक्षा के साथ जीवन बिता रहा है। सुशासन तिहार 2026 उनके लिए सचमुच खुशियों की सौगात बनकर आया है।

जनपद पंचायत अकलतरा के अंतर्गत आने वाले इस गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत धीरेंद्र कुमार कुर्रे को नया मकान मिला है। वर्षों से एक मजबूत घर का सपना देखने वाला यह परिवार अब अपने आशियाने में नई उम्मीदों के साथ भविष्य संवार रहा है। धीरेंद्र बताते

हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। अब प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिला नया घर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आया है। घर की मजबूत दीवारों और सुरक्षित छत ने पूरे परिवार को आत्मविश्वास से भर दिया है। परिवार के चेहरे पर संतोष साफ दिखाई देता है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं ने गांवों में लोगों की जिंदगी बदलनी शुरू कर दी है।

सरकार ने दी शिक्षा को नई उड़ान

तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के 8 हजार 631 विद्यार्थियों को 12.26 करोड़ की छात्रवृत्ति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार वनाश्रित परिवारों के बच्चों के भविष्य को संवारने की दिशा में निरंतर बड़े कदम उठा रही है। इसी कड़ी में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नया रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से 12.26 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति राशि का ऑनलाइन वितरण किया।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ मर्यादित द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के तहत जिले के 8 हजार 631 प्रतिभावान विद्यार्थियों के खातों में यह राशि सीधे अंतरित की गई।

इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के बच्चों को आर्थिक तंगी के बिना उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। मंत्री श्री कश्यप ने

कार्यक्रम के दौरान कहा कि सरकार केवल लघु वनोपज संग्रहण तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा लक्ष्य वनाश्रित परिवारों का सर्वांगीण सशक्तिकरण है। जब एक तेंदूपत्ता संग्राहक परिवार का बच्चा भारतीय वन सेवा जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित होता है, तो वह हमारी योजनाओं की सबसे बड़ी सफलता है।

वन मंत्री केदार कश्यप ने श्रेणीवार लाभ एक नज़र में योजना के तहत मेधावी छात्रों से लेकर तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं तक को लाभ पहुंचाया गया है।

प्रतिभाशाली शिक्षा प्रोत्साहन योजना 6,133 लाभार्थी को 11.39 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति राशि का ऑनलाइन वितरण किया। इसी प्रकार मेधावी छात्र पुरस्कार योजना 1,639 लाभार्थी को 44.85 लाख रुपए, गैर-व्यावसायिक शिक्षा छात्रवृत्ति 788 लाभार्थी को 35.72 लाख रुपए व्यावसायिक शिक्षा छात्रवृत्ति योजना 71 लाभार्थी को 6.15 लाख रुपए की छात्रवृत्ति राशि का ऑनलाइन वितरण किया।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत अकलतरा में 10 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा स्थित मिनीमाता भवन में सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल 10 जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ परिणय सूत्र में बंधे।

जिला कार्यक्रम अधिकारी अनिता अग्रवाल ने बताया कि शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों की बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जा रहा है। योजना के अनुसार प्रत्येक नवविवाहित जोड़े को गृहस्थी स्थापना के लिए वधू के बैंक खाते में निर्धारित सहायता राशि प्रदान की गई। साथ ही नवदम्पत्तियों को पौधे भेंट कर उनके सुखद और हरित वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अतिथियों ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवर्षा कर उन्हें सुखमय दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया।

अकलतरा विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए एक बड़ी सहायक योजना है। इससे बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो रहा है और परिवारों को आर्थिक संबल मिल रहा है। उन्होंने नवदम्पत्तियों को उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी ने कहा कि बेटियां समाज की शक्ति हैं। उन्होंने भ्रूण हत्या और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि बेटियों को शिक्षा, सम्मान और समान अवसर प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने नवदम्पत्तियों को सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित होगा पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव

मुख्यमंत्री साय ने किया उत्सव पोस्टर का विमोचन, सफल आयोजन की दी शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में रायपुर प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 30 मई को आयोजित पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आमंत्रण के लिए प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने पत्रकारिता मार्तण्ड उत्सव के पोस्टर का विमोचन भी किया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि यह आयोजन हिंदी पत्रकारिता की गौरवशाली परंपरा, लोकतंत्र में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका तथा पत्रकारिता के योगदान को सम्मानित और स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि कार्यक्रम में प्रदेश एवं देश के वरिष्ठ पत्रकारों, संपादकों, मीडिया विशेषज्ञों, साहित्यकारों तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों की विशिष्ट हस्तियों की सहभागिता रहेगी।

आयोजन के अंतर्गत पत्रकार सम्मान, विचार गोष्ठी, विशेष व्याख्यान एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास, प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

कभी नक्सल साये में रहा उसकेवाया, अब गांव में पहुंच रही सुशासन की रोशनी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। घने जंगलों और कभी नक्सल प्रभाव के कारण प्रशासनिक पहुंच से दूर रहे उसकेवाया गांव में अब बदलाव की नई तस्वीर दिखाई देने लगी है। जिन ग्रामीणों को कभी छोटे-छोटे प्रमाण पत्रों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, आज उन्हें वही सुविधाएं गांव में ही मिल रही हैं। सुशासन तिहार 2026 ने इस दूरस्थ गांव के लोगों के चेहरे पर नई मुस्कान लौटा दी है।

सुकमा जिले के कोंटा विकासखंड के पहुंचविहीन ग्राम उसकेवाया में आयोजित सुशासन शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और भरोसे का बड़ा केंद्र बन गया। प्रशासन की टीम गांव पहुंची तो लोगों ने बड़ी संख्या में शिविर में हिस्सा लिया।

जाति, निवास और जन्म प्रमाण

पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज मौके पर ही बनाकर हितग्राहियों को सौंपे गए। कक्षा 10वीं की छात्रा मड़कम पायके के चेहरे की खुशी इस बदलाव की तस्वीर है। निवास प्रमाण पत्र हाथ में लेते हुए उसने कहा कि अब आगे की पढ़ाई और शैक्षणिक प्रक्रियाओं में कोई परेशानी नहीं होगी। उसने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और प्रशासन का आभार जताया। वहीं मड़कम भारती, पूजा और दीपक ने भी जाति प्रमाण पत्र मिलने पर खुशी जाहिर की। शिविर में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दो हितग्राहियों की गोद भराई रस्म भी संपन्न कराई गई।

सुशासन तिहार 2026 के तहत सुकमा जिले में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राशन कार्ड, जॉब कार्ड, पेंशन, मनरेगा भुगतान, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय निर्माण जैसे मामलों का भी तेजी से निराकरण किया जा रहा है। बिजली, ट्रांसफार्मर सुधार और हैंडपंप मरम्मत से जुड़ी समस्याओं पर भी तत्काल कार्रवाई हो रही है। जिला प्रशासन का प्रयास है कि जिले के हर गांव तक योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचे।

पंचायतों में हितग्राहियों की सूची सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित कर पारदर्शिता बढ़ाने की कोशिश भी की जा रही है। कभी सरकारी योजनाओं से दूर रहे उसकेवाया जैसे गांवों में अब लोगों को यह भरोसा होने लगा है कि शासन की सुविधाएं सचमुच उनके दरवाजे तक पहुंच रही हैं।

सुशासन तिहार ने यहां सिर्फ समस्याओं का समाधान नहीं किया, बल्कि लोगों के भीतर व्यवस्था के प्रति विश्वास भी मजबूत किया है।

महतारी वंदन योजना से बदली जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बीहड़ जंगलों और कठिन परिस्थितियों के बीच बसे उसकेवाया गांव की हूंगी माड़वी के लिए जिंदगी कभी आसान नहीं रही। रोज मजदूरी कर परिवार का पेट पालना, बच्चों की जरूरतें पूरी करना और हर दिन नई चुनौतियों से जूझना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। लेकिन अब छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना ने उनके जीवन में उम्मीद की नई रोशनी जगा दी है। सुकमा जिले के ग्राम पंचायत बंडा के आश्रित गांव उसकेवाया की हूंगी माड़वी आज उन हजारों ग्रामीण महिलाओं में शामिल हैं, जिनके लिए महतारी वंदन योजना आर्थिक संबल बन गई है। हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि ने उनके परिवार को कठिन समय में बड़ी राहत दी है। हूंगी बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता

था। अब योजना से मिलने वाली राशि से वे बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन, घर का राशन और जरूरी सामान खरीद पा रही हैं। मजदूरी से होने वाली आमदनी के साथ यह सहायता राशि उनके परिवार के जीवनयापन का मजबूत आधार बन गई है। वे कहती हैं कि अब बच्चों के भविष्य को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं रहती। घर के खर्चों में थोड़ी स्थिरता आई है और आत्मविश्वास भी बढ़ा है। हूंगी माड़वी ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का काम किया है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
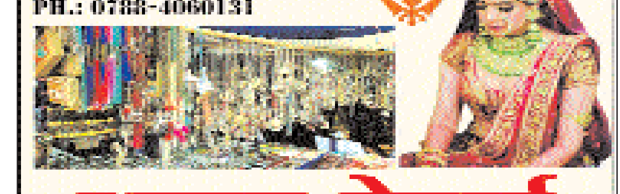
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

टॉक्सिक रिश्तों का महिमामंडन नहीं, बल्कि उनका दर्द दिखाएगी अगली स्टोरीः अविका गौर

छोटे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री अविका गौर एक बार फिर तेलुगु रोमांटिक थ्रिलर फिल्म अगली स्टोरी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। यह एक रोमांटिक थ्रिलर है, जिसमें सस्पेंस, जुनून और भावनाओं का एक अनोखा संगम देखने को मिलेगा। फिल्म में अविका के साथ नंदू विजय कृष्णा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेत्री अविका गौर ने बताया कि फिल्म की टीम पहले से ही इस बात को लेकर सतर्क थी कि टॉक्सिक और जुनून के बीच एक साफ अंतर दिखाई दे।

उन्होंने कहा, फर्क हमेशा इरादे में होता है। हम फिल्म के जरिए टॉक्सिक रिश्तों को आकर्षक या कूल दिखाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा मकसद यह दिखाना है कि ऐसे रिश्ते किसी इंसान की मानसिक और भावनात्मक स्थिति पर असल में क्या असर डालते हैं।

अविका ने आगे बताया कि फिल्म में रिश्ते को महिमामंडित करने के बजाय उसके दर्दनाक नतीजों पर ध्यान दिया गया है। फिल्म में दर्शकों को वह बेचैनी, उलझन और नुकसान साफ महसूस होगा जो एक खराब रिश्ते से उपजता है। एक कलाकार के तौर पर मेरी जिम्मेदारी दर्शकों के सामने ईमानदारी से कहानी रखने की है। अगली स्टोरी दर्शकों से झूठ नहीं बोलती, बल्कि एक कड़वी सच्चाई को गहराई से दिखाती है।

रिया जिया प्रोडक्शंस के बैनर तले सीएच सुभाषिनी और कोंडा लक्ष्मण द्वारा निर्मित अगली स्टोरी एक गहरी प्रेम कहानी है, जिसका लेखन और निर्देशन प्रणव स्वरूप ने किया है। इस फिल्म में रवि तेजा महादास्यम, शिवाजी राजा, और प्रज्ञा नयन जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते नजर आएंगे।

अगली स्टोरी 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इम्तियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ

मस्कारा को लेकर साझा किए बीटीएस पल

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म क्या कमाल है को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री जिया नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना मस्कारा रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए।

इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को किस-मिस यारा कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पडऩे वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, मेरा किरदार जिया अपनी जिंदगी में कई बार इसी किस-मिस वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है।

शरवरी ने अपनी पोस्ट में इम्तियाज अली की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि किस तरह निर्देशक ने उन्हें अपनी परफॉर्मेंस की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनसे वह खुद भी अनजान थीं। उन्होंने लिखा, मैंने सिर्फ आपको देखकर ही भावनाओं और कहानी कहने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मुझ पर भरोसा करने और हर पल मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी रहूंगी।

मस्कारा गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है। मस्कारा गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

गाने के वीडियो में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आ रही है, जिनकी मासूम प्रेम कहानी और केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। मस्कारा एक सॉफ्ट रोमांटिक गाना है, जो जवानी के दिनों के प्यार, मासूम शरारत और जज्बातों को खूबसूरती से दिखाता है।

फिल्म में शरवरी का किरदार जिया और वेदांग रैना का किरदार कीनू समय और दूरी से आकार लिए हुए प्यार को दर्शाते हैं।

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक आउट, नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित पिछले कुछ समय से अपनी अपकमिंग फिल्म मां बहन को लेकर चर्चा में हैं। ये एक डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी भी लीड रोल में नजर आएंगी। अब मदर्स डे को मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज मिला है। दरअसल, फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक सामने आ गया है।

फिल्म मां बहन जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने वाली है। फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है। इस फिल्म में सोशल मीडिया स्टार धारणा दुर्गा भी अहम भूमिका निभा रही हैं। वहीं, दिग्गज एक्टर रवि किशन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म मां बहन में माधुरी दीक्षित मां के किरदार में नजर आएंगी, वहीं धारणा और तृप्ति उनकी बेटियों का रोल प्ले करने वाली हैं।

नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म मां बहन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें धारणा, तृप्ति और माधुरी की झलक दिख रही है। तृप्ति और धारणा फिल्म में उनकी मां बनी माधुरी के बारे में बात करते दिख रही हैं।

मेकर्स ने लिखा, मां के बारे में तो अब क्या ही कहें। मां बहन, जल्द आ रही है, केवल नेटफ्लिक्स पर। इस फिल्म के निर्देशक सुरेश त्रिवेणी हैं, जिन्हें साल 2017 में आई विद्या बालन की फिल्म तुम्हारी सुलु के लिए जाना जाता है।

फिल्म मां बहन एक कंजर्वेटिव मोहल्ले में रहने वाली मां और उनकी दो बेटियों की कहानी है, जो अपने किचन में मिली एक लाश को छिपाने की कोशिश करती हैं। इस दौरान उनकी जिंदगी में कई मजेदार और चौंकाने वाले मोड़ आते हैं, जो कहानी को और दिलचस्प बना देते हैं।

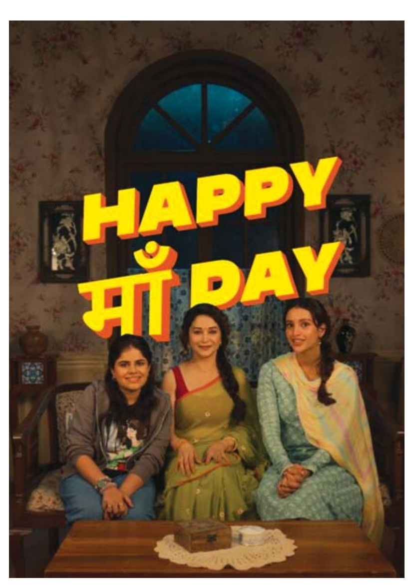

प्रभास की फौजी की रिलीज डेट लॉक्ड, दशहरा 2026 के मौके पर होगा बॉक्स ऑफिस पर धमाका

रेबल स्टार प्रभास एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म फौजी के साथ, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। यह फिल्म गुलशन कुमार और भूषण कुमार के टी-सीरीज के साथ पेश की जा रही है और इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले किया गया है।

फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि फौजी 2026 में दशहरा उत्सव के दौरान बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म का पहला लुक पहले ही जारी किया जा चुका है और प्रशंसकों से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

टीम के अनुसार, फौजी की शूटिंग फिल्म पूरी होने तक बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी। फिल्म को बेहतरीन प्रोडक्शन और विशेषज्ञ तकनीकी ज्ञान से सजी एक शानदार फिल्म बताया जा रहा है।

भाव और भव्यता दोनों को कुशलता से संभालने के लिए जाने जाने वाले हनु राघवपुडी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभास एक बिल्कुल नए रूप में चमके। फिल्म में इमानवी नायिका के रूप में होंगी, साथ ही अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, जयप्रदा और भानु चंदर जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे।

फौजी की तकनीकी टीम में उद्योग जगत के कुछ बेहतरीन लोग शामिल हैं। सुदीप चटर्जी सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं। विशाल चंद्रशेखर संगीत दे रहे हैं। अनिल विलास जाधव प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और कोटागिरी वेंकटेश्वर राव फिल्म का संपादन कर रहे हैं।

गीत कृष्णकांत ने लिखे हैं, कोरियोग्राफी प्रेम रक्षित ने की है, वेशभूषा शीतल इकबाल शर्मा और टी विजय भास्कर ने डिजाइन की है, और विजुअल इफेक्ट्स आरसी कमला कन्नन ने तैयार किए हैं।

यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषाओं में रिलीज होगी। नवीन येरनेनी और वाई रवि शंकर द्वारा निर्मित, सह-निर्माता शिव चानन और टी-सीरीज के अध्यक्ष नीरज कल्याण के साथ बनी फौजी को 2026 की सबसे बड़ी रिलीज में से एक माना जा रहा है।

फैंस अब अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर सकते हैं और इस दशहरा पर प्रभास को इस हाई-ऑक्टेन, भव्य एक्शन-ड्रामा में देखने के लिए तैयार हो सकते हैं।

रोजाना रात को सिल्क के तकिए पर सोएं आपको मिल सकते हैं ये 5 फायदे

अच्छी नींद पाने के लिए सिर्फ गद्दे ही नहीं, बल्कि तकिया भी जरूरी होता है। अगर आप भी आरामदायक नींद और स्वस्थ बाल चाहते हैं तो सिल्क के कपड़े से बने तकिए पर सोएं। सिल्क का तकिया न केवल आरामदायक होता है, बल्कि यह त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद होता है। आइए आज हम आपको सिल्क के तकिए पर सोने से मिलने वाले फायदे बताते हैं, जिससे आपको इसके महत्व का अंदाजा लग सकता है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

सिल्क के तकिए पर सोना आपकी त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। सिल्क एक ऐसा कपड़ा है, जो त्वचा को आरामदायक महसूस कराता है और रगड़कर होने वाले नुकसान से बचाता है। इसके अलावा सिल्क के तकिए पर सोने से चेहरे की नमी बनी रहती है, जिससे त्वचा सूखती नहीं है। अगर आप रातभर ठंडी हवा में सोती हैं तो सिल्क के तकिए पर सोना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

बालों का झड़ना होता है कम

रातभर सिल्क के तकिए पर सोने से बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और बाल झड़ने की समस्या कम होती है। सिल्क की चिकनी सतह बालों को उलझने से रोकती है, जिससे वे टूटते नहीं हैं। इसके अलावा सिल्क के तकिए पर सोने से बालों की नमी भी बनी रहती है, जिससे वे स्वस्थ और चमकदार दिखते हैं। अगर आप रोजाना सिल्क के तकिए पर सोती हैं तो आपके बालों की खूबसूरती बनी रहती है।

एलर्जी से कर सकता है बचाव

कुछ लोगों को सूती या ऊनी तकिए से एलर्जी हो सकती है, जिससे उनकी नींद खराब होती रहती है। सिल्क के तकिए पर सोना एलर्जी से बचाव करने में मदद करता है, क्योंकि यह ऐसे तत्वों से मुक्त होता है, जो एलर्जी उत्पन्न कर सकते हैं। इसके अलावा सिल्क की सूक्ष्म संरचना धूल कणों और कीटाणुओं को भी रोकती है, जिससे आप स्वस्थ और आरामदायक नींद ले सकते हैं। इस तरह सिल्क के तकिए पर सोना आपके लिए सुरक्षित है।

महसूस होता है आराम

सिल्क के तकिए पर सोना न केवल आरामदायक महसूस होता है, बल्कि यह तापमान को भी नियंत्रित करता है। गर्मियों में यह ठंडक देता है और सर्दियों में गर्माहट प्रदान करता है। इसके अलावा सिल्क की मुलायम सतह पर सोना एक सुखद अनुभव देता है। इस तरह सिल्क के तकिए पर सोने से आपको न केवल आराम मिलता है, बल्कि आपकी नींद की गुणवत्ता भी बेहतर होती है। यह एक आदर्श विकल्प है।

लंबे समय तक रहता है टिकाऊ

सिल्क के तकिए लंबे समय तक टिकाऊ रहते हैं, इसलिए इन्हें बार-बार बदलने की जरूरत नहीं पड़ती। सही देखभाल करने पर ये कई वर्षों तक उपयोग किए जा सकते हैं। इस प्रकार सिल्क के तकिए पर सोना आपकी नींद को बेहतर बनाने, त्वचा-बालों की देखभाल करने और एलर्जी से बचाव करने में मदद करता है। अगली बार जब भी आप अपना तकिया चुनें तो सिल्क का तकिया जरूर आजमाकर देखें।

मनी हाइस्ट फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी

निर्माताओं ने वीडियो जारी कर किया धमाकेदार ऐलान

मनी हाइस्ट के चाहने वालों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दरअसल, नेटफ्लिक्स ने साफ कर दिया है कि ये सुपरहिट शो अभी खत्म नहीं हुआ है। हाल ही में एक छोटा सा वीडियो (टीजर) जारी किया गया है, जिससे पता चलता है कि इस कहानी का अगला हिस्सा जल्द आने वाला है यानी प्रोफेसर और उनकी टीम एक बार फिर नए मिशन के साथ वापसी करने के लिए तैयार है।

हालांकि, ये साफ नहीं है कि कहानी सीजन 6 के रूप में आगे बढ़ेगी या किसी खास किरदार पर नई सीरीज आएगी। ये खबर इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि 15 मई को ही बर्लिन सीरीज का दूसरा सीजन रिलीज होने वाला है। नेटफ्लिक्स ने अचानक यूट्यूब पर एक वीडियो शेयर कर फैंस को हैरान कर दिया है। मनी हाइस्ट का आखिरी सीजन साल 2021 में आया था, जिसके बाद से फैंस इसके लौटने का इंतजार कर रहे हैं।

वीडियो की शुरुआत एक मैसेज से होती है, ये सब पैसों से शुरू हुआ और फिर सोने और खजानों तक जा पहुंचा। साथ ही इशारा है कि ये क्रांति अभी रुकी नहीं और अगला हिस्सा तैयार किया जा रहा है। डिस्क्रिप्शन में निर्माताओं ने बताया कि कुछ कहानियां एक सटीक हमले से शुरू होती हैं, लेकिन इस सीरीज ने सब बदल दिया। मनी हाइस्ट की कहानी नकद डकैती से शुरू होकर बैंक ऑफ स्पेन से सोना निकालने तक पहुंचती है।

एलेक्स पिना की बनाई मनी हाइस्ट की शुरुआत 2017 में स्पेनिश नेटवर्क से हुई थी, बाद में इसे नेटफ्लिक्स पर लाया गया। इस शो की कामयाबी को देखते हुए 2018 से 2021 तक इसके एक के बाद एक 5 सीजन रिलीज किए गए। इसी सीरीज ने दुनिया को प्रोफेसर के रूप में अल्वारो मोर्टे जैसे कलाकार से मिलवाया। भारत में भी मनी हाइस्ट को लेकर जबरदस्त दीवानगी है। यहां प्रोफेसर का किरदार और बेला चाओ गाना काफी लोकप्रिय है।

मुख्यमंत्री साय ने प्रावीण्य सूची के मेधावी विद्यार्थियों से की आत्मीय चर्चा

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं, अनुशासन, मेहनत और स्वस्थ दिनचर्या ही उपलब्धि की असली कुंजी - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुख्यमंत्री निवास, सिविल लाइन्स रायपुर में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों के साथ बेहद सहज और प्रेरणादायी संवाद करते हुए उनके सपनों, पढ़ाई की दिनचर्या, सफलता के अनुभव और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री निवास का वातावरण इस दौरान उत्साह, प्रेरणा और आत्मीयता से भर उठा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने का माध्यम नहीं, बल्कि जीवन को दिशा देने वाली सबसे बड़ी शक्ति है। शिक्षा ही व्यक्ति और समाज के विकास का मूल आधार है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से एक-एक कर परिचय प्राप्त किया और उनसे पूछा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहते हैं। इस दौरान विद्यार्थियों ने डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस और अन्य क्षेत्रों में जाकर देशसेवा करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की आकांक्षाओं की सराहना करते हुए कहा कि बड़े सपने देखने वाले ही जीवन में बड़ी उपलब्धियां हासिल करते हैं।

संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई की दिनचर्या और सफलता के अनुभव भी साझा करवाए। उन्होंने कहा कि नियमित दिनचर्या, समय का सही प्रबंधन और निरंतर अभ्यास सफलता की सबसे महत्वपूर्ण कुंजी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी अपने जीवन में अनुशासित दिनचर्या का पालन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि पढ़ाई के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी विशेष ध्यान रखें, क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को योग, नियमित व्यायाम और संतुलित जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि योग व्यक्ति को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं प्रतिदिन योग करते हैं और अत्यधिक व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य के लिए समय निकालते हैं। विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन की यात्रा भी साझा की। उन्होंने बताया कि बचपन में ही उनके पिता का निधन हो गया था, जिसके बाद परिवार की जिम्मेदारियां कम उम्र में ही उनके कंधों पर आ गईं। खेती-किसानी, छोटे भाइयों की पढ़ाई और परिवार की देखभाल के बीच उन्होंने जीवन का संघर्ष देखा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं सोचा था कि वे राजनीति में इतने बड़े दायित्व तक पहुंचेंगे, लेकिन जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाते गए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जीवन में परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि व्यक्ति मेहनत और समर्पण के साथ आगे बढ़ता है, तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि संघर्ष ही व्यक्ति को मजबूत बनाता है और चुनौतियां ही जीवन की सबसे बड़ी शिक्षक होती हैं।

मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को बताया कि सार्वजनिक जीवन में समय प्रबंधन और जिम्मेदारी का महत्व बहुत अधिक होता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें प्रदेश के सभी विभागों और जनसमस्याओं पर लगातार ध्यान देना होता है। सुशासन तिहार के माध्यम से वे लगातार गांव-गांव जाकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और योजनाओं की वास्तविक स्थिति का फीडबैक ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता के बीच रहने से ही ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि वे राजनीति में नहीं आते, तो एक अच्छे किसान बनकर खेती और कृषि नवाचार के क्षेत्र में कार्य करते। उन्होंने कहा कि आज कृषि के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं और पढ़े-लिखे युवा आधुनिक खेती, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं अन्य कृषि आधारित गतिविधियों के माध्यम से रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल प्रस्तुत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता और शिक्षकों के प्रति सम्मान बनाए रखने की सीख देते हुए कहा कि जीवन की पहली शिक्षा परिवार और गुरु से ही प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षक ही विद्यार्थियों की सफलता के सबसे बड़े आधार होते हैं।

खास खबर

जटिल रोगों का कबीरधाम जिला अस्पताल में हो रहा सफल उपचार

रायपुर। जिला अस्पताल कबीरधाम में अत्यधिक एवं लंबे समय तक मासिक रक्तस्राव से पीड़ित दो महिलाओं का सफलतापूर्वक उपचार कर उन्हें राहत प्रदान की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा समय पर जांच एवं सर्जरी कर मरीजों को गंभीर जटिलताओं से बचाया गया। डॉ. निहारिका सिंह ने बताया कि लंबे समय तक अत्यधिक मासिक रक्तस्राव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर जांच एवं उचित उपचार से गंभीर एनीमिया एवं अन्य जटिलताओं से बचाव संभव है। महिलाओं से नियमित स्त्री रोग जांच कराने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। पहले मामले में 47 वर्षीय महिला पिछले तीन वर्षों से अत्यधिक एवं लंबे समय तक मासिक धर्म की समस्या से परेशान थीं। लगातार अधिक रक्तस्राव होने के कारण उन्हें नियमित दवाइयों की आवश्यकता पड़ती थी तथा गंभीर एनीमिया की स्थिति में रक्त चढ़ाने की जरूरत भी पड़ी। जांच एवं अल्ट्रासाउंड में गर्भाशय का आकार बढ़ा हुआ पाया गया, जिसका वॉल्यूम लगभग 130 सीसी था। साथ ही एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया की पुष्टि हुई। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने हिस्टरेक्टॉमी करने का निर्णय लिया।

दूरस्थ वनांचल तक पहुंची स्वास्थ्य सेवाएं, पहाड़ी कोरवा परिवारों को मिला लाभ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेशभर में संचालित सुशासन तिहार अब दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक जनकल्याण की मजबूत कड़ी बनकर उभर रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के डीपाडीह में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाई गईं। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) के जरिए वनांचल में निवासरत ग्रामीणों को उनके गांव के समीप ही स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में पहुंचे पहाड़ी कोरवा एवं अन्य जनजातीय समुदाय के लोगों का चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। गंभीर मरीजों को उचित परामर्श एवं उपचार के लिए मार्गदर्शन भी दिया गया। शिविर के दौरान महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की विशेष स्वास्थ्य जांच की गई। स्वास्थ्य अमले द्वारा मातृ स्वास्थ्य, कुपोषण से बचाव, टीकाकरण और संतुलित आहार के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ ही स्वच्छता, सामान्य बीमारियों की रोकथाम एवं नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के प्रति भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल को राहतभरा बताते हुए कहा कि अब छोटी-छोटी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ रही है, बल्कि गांव के पास ही जांच और उपचार की सुविधा मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ लेने और समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने की अपील की।

डिजिटल इंडिया की राह पर अबूझमाड़ : रायनार में मोबाइल टावर शुरू, वनांचल में गूँजेगी फोन की घंटी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल और अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में मोबाइल टावर शुरू होने से संचार क्रांति की एक नई शुरुआत हुई है। सालों तक 'नो नेटवर्क जोन' में रहे नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड के सहाका डोन (टाकाडोंड) जैसे गाँवों में अब मोबाइल की घंटी गूँज उठी है। छत्तीसगढ़ के सबसे दुर्गम और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों वाले अबूझमाड़ क्षेत्र के लिए आज एक नया सवेरा हुआ है। ओरछा विकासखंड के ग्राम रायनार में नया मोबाइल टावर स्थापित होने के साथ ही यह क्षेत्र अब वैश्विक संचार नेटवर्क से जुड़ गया है।

अब ग्रामीणों को नेटवर्क के लिए ऊँची पहाड़ियों पर नहीं चढ़ना पड़ेगा वे घर बैठे ही अपनों से बात कर रहे हैं। जिला प्रशासन और दूरसंचार विभाग के समन्वय से स्थापित इस टावर से व्यापक क्षेत्र कवर होगा। इसका

सीधा लाभ इन गांवों को मिलेगा, जिनमें रायनार, नुलवट्टी, झोरी और डीडरभट्टी रेंगाबेड़ा और मडाली के दुर्गम इलाके शामिल हैं।

करीब 590 की आबादी वाले ग्राम रायनार के ग्रामीणों के लिए अब तक मोबाइल सिग्नल पाना एक संघर्ष था। नेटवर्क की तलाश में उन्हें ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता था या मीलों पैदल चलना पड़ता था। टावर शुरू होने से अब बैंकिंग, आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं और शासकीय योजनाओं का लाभ घर बैठे मिल सकेगा।

स्थानीय विद्यार्थियों को अब ऑनलाइन शिक्षा और डिजिटल संसाधनों का लाभ मिलेगा। डिजिटल ट्रांजेक्शन के क्षेत्र में ऑनलाइन बैंकिंग सेवाओं का विस्तार होगा। मितान जैसी ऑनलाइन सेवाओं तक ग्रामीणों की सीधी पहुँच होगी।

प्रशासन के लिए रायनार में टावर की स्थापना इस संवेदनशील क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी जीत है। यह पहल अबूझमाड़ के युवाओं को देश-दुनिया से जोड़कर उनके सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करेगी।

खुशियों का द्वार बना समाधान शिविर, 2 साल के नन्हे अरनव को मिली अपनी डिजिटल पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन के संकल्प का असर अब सीधे आम जनता के चेहरों पर मुस्कान बनकर झलक रहा है। राज्य सरकार द्वारा आयोजित सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर न केवल समस्याओं का निपटारा कर रहे हैं, बल्कि आम नागरिकों के जीवन में नई खुशियां भी ला रहे हैं। इसी कड़ी में महासमुंद विकासखंड के ग्राम अछोला से सुशासन की एक बेहद सुखद और प्रेरक तस्वीर सामने आई है।

ग्राम अछोला निवासी देवव्रत गोलदार और उनकी पत्नी श्रीमती गायत्री गोलदार अपने 2 वर्षीय पुत्र अरनव के साथ शिविर में पहुंचे थे। माता-पिता की इच्छा थी कि उनके लाडले की अपनी एक डिजिटल पहचान (आधार/पहचान

पत्र) हो। जैसे ही उन्होंने समाधान शिविर में इसके लिए आवेदन किया, प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर ही पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर दी।

अपने बच्चे की डिजिटल पहचान इतनी सहजता और शीघ्रता से सुनिश्चित होते देख माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। भावुक मन से देवव्रत और गायत्री ने कहा कि हमने सोचा नहीं था कि इतनी जल्दी और आसानी से काम हो जाएगा।

शासन की योजनाओं से लाभान्वित हुए ग्रामीण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरबा जिले के ग्राम पंचायत बैरा में सुशासन तिहार का गरिमामय आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना रहा। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती माधुरी देवी तवर जनपद अध्यक्ष रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शांति देवी मरावी, जनपद उपाध्यक्ष श्री प्रकाश चन्द्र जाखड़, जनपद सदस्य श्री तिवारी सिंह मरावी और श्री आनंद आयाम, एसडीएम मनोज बंजारे सहित ग्राम पंचायत बैरा के सरपंच श्री सहदेव अरमो एवं आसपास की विभिन्न पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे।

आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों के

माध्यम से हितग्राहियों को सामग्री एवं लाभ का वितरण किया गया। मनरेगा योजना के अंतर्गत 13 हितग्राहियों को जॉब कार्ड प्रदान किए गए, जबकि खाद्य विभाग द्वारा 20 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरित किए गए। मत्स्य विभाग की ओर से जय लक्ष्मी स्व सहायता समूह, पसान को मछली जाल प्रदान किया गया।

शिविर में 335 आवेदनों का समाधान, सामुदायिक भवन हेतु 20 लाख की घोषणा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार प्रदेश में चलाए जा रहे सुशासन तिहार 2026श् के अंतर्गत गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर ब्लॉक के ग्राम पोखरा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन हुआ। इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुँचकर अपनी समस्याओं और मांगों को सीधे प्रशासन के समक्ष रखा।

शिविर में कुल 335 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश म आवेदनों का अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निराकरण कर ग्रामीणों को राहत दी गई। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री तथा जिले के

प्रभारी मंत्री दयालदास बघेल ने ग्रामीणों की मांग पर पोखरा में सर्व समाज के लिए 20 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण की घोषणा की।

मंत्री दयालदास बघेल ने शिविर का अवलोकन करते हुए कहा कि शासन का लक्ष्य हर पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। शिविर के दौरान आयुष्मान कार्ड, वयोवृद्ध कार्ड और केसीसी कार्ड, मछुआरों को जाल और आइस-बॉक्स का वितरण किया गया। पीएम आवास, उज्ज्वला, पीएम जनमन, स्वामित्व और सूर्यघर योजना के लाभों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

मंत्री बघेल ने कहा कि सरकार की किसान हितैषी नीतियों को रेखांकित करते हुए 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान खरीदी का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। इस अवसर पर महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक सम्पन्न

कोरबा जिले के विकास का महत्वपूर्ण आधार है डीएमएफ - मंत्री देवांगन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग, आबकारी, सार्वजनिक उपक्रम एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन की मुख्य उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) कोरबा की शासी परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु प्रस्तावित कार्यों की कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर कोरबा की सांसद ज्योत्सना महंत, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, पाली-तानाखार विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम, रामपुर विधायक फूल सिंह राठिया सहित शासी परिषद के सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं पदेन अध्यक्ष कुणाल दुदावत ने की।

बैठक में मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए डीएमएफ योजना

की व्यवस्था की है, जिसके माध्यम से कोरबा जिले को बड़ी राशि प्राप्त होती है। डीएमएफ अब कोरबा जिले की प्रगति का मजबूत आधार बन चुका है। जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और अधोसंरचना विकास जैसे कार्यों को इससे नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग और जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जिले में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। डीएमएफ मद से स्कूल, आंगनबाड़ी भवन, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल आपूर्ति, सड़क निर्माण तथा पुल-पुलियों के निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही शिक्षकों की नियुक्ति भी की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वीकृत कार्यों का समय-सीमा में पूर्ण होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। मंत्री देवांगन ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री की मंशा है कि कोरबा जिले में डीएमएफ के तहत होने वाले सभी कार्य पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूरे हों। निर्माण पोर्टल के माध्यम से आम नागरिक भी डीएमएफके कार्यों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्माण गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और नए प्रस्तावों को बजट प्रावधान के अनुरूप प्रस्तुत किया जाए। सांसद ज्योत्सना महंत ने कहा कि डीएमएफमद के माध्यम से कोरबा जिले को विकास की नई पहचान प्राप्त होगी।

जिले में जहां भी शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल तथा अन्य आवश्यक क्षेत्रों में राशि की जरूरत है, वहां इस फंड का प्रभावी उपयोग होना चाहिए। उन्होंने सभी कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने पर विशेष जोर दिया।

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने बताया कि वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना मुख्य सचिव की अध्यक्षता में निर्धारित किए गए केपीआई के अनुरूप तैयार की गई है। जिले में उच्च प्राथमिकता वाले कार्यों को विशेष महत्व दिया गया है और सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्वक तथा समय-सीमा में पूर्ण करने के प्रयास किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना : कोरिया जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के मकानों का सपना हो रहा साकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सुदूर अंचलों तक खुशहाली पहुँचा रही है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और जिला प्रशासन की सतत निगरानी से ग्रामीणों के पक्के मकान का सपना तेजी से हकीकत में बदल रहा है। पिछले मात्र तीन महीनों में जिले ने उल्लेखनीय प्रगति करते हुए 2 हजार 220 हितग्राहियों के पक्के आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया है।

जिला प्रशासन द्वारा बनाई गई विशेष कार्ययोजना के तहत हितग्राहियों से निरंतर संवाद और संसाधनों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। जिला पंचायत के समन्वय से निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा और

निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों बनी हुई है।

योजना के तहत वित्तीय सहायता को सीधे हितग्राहियों तक पहुँचाने के लिए डीबीटी (क्ठज्) और जियो-टैगिंग का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। निर्माण की प्रगति के आधार पर पहली किश्त (40 हजार), प्लिंथ स्तर पर दूसरी किश्त (55 हजार) और कार्य पूर्ण होने पर अंतिम किश्त (25 हजार) सीधे खाते में भेजी जा रही है।

पक्के मकान के साथ-साथ हितग्राहियों को मनरेगा के माध्यम से 90 दिनों का अकुशल श्रम रोजगार भी प्रदान किया जा रहा है, जो उनके लिए अतिरिक्त आर्थिक संबल साबित हो रहा है।

दो नकाबपोश चोरों ने कटर से काटा ताला: दुकान के ताले काटकर 90 लाख के आभूषणों की चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के बीच शहर में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात दो नकाबपोश चोरों ने लक्ष्य ज्वेलर्स को निशाना बनाया। दोनों बाइक से आए और कटर से ताला काटकर भीतर घुस गए। करीब आधे घंटे में सोने के जेवर बैग में भरकर फरार हो गए।

रविवार को दुकान बंद थी, इसलिए चोरी का पता सोमवार सुबह चला। दुकान खुलते ही हड़कंप मच गया। मौके पर नॉर्थ जोन के अधिकारी और पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला पहुंचे। दुकान के सीसीटीवी फुटेज में दोनों आरोपी आराम से चोरी करते नजर आए हैं। चोरी गए जेवर की कीमत करीब 90 लाख रुपए बताई जा रही है। देर रात पुलिस ने कालीनगर से पुराने चोर को हिरासत में लिया है। दावा है उसने ही अपने साथी के साथ मिलकर चोरी की है।

पुलिस के अनुसार, शंकर नगर-लोधीपारा रोड पर आरोग्य अस्पताल के पास कारोबारी वंश मरपानी का लक्ष्य ज्वेलरी दुकान है। शनिवार रात 8 बजे दुकान बंद की गई थी। रविवार को अवकाश के कारण बंद रही। सोमवार सुबह खोलने पर चोरी का पता चला। कॉम्प्लेक्स में 24 घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात रहता है और आसपास अस्पताल होने से लगातार आवाजाही रहती है, इसके बावजूद किसी को भनक नहीं लगी। चोरों ने चांदी और आर्टिफिशियल ज्वेलरी को हाथ नहीं लगाया।

डॉग जहां ठिठका, वहीं पकड़ा गया चोर

चोरी की सूचना मिलते ही फोरेंसिक और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची। डॉग दुकान से दौड़ते हुए निकला और करीब डेढ़ किलोमीटर दूर गांधी नगर-काली नगर की ओर जाने वाले रास्ते पर जाकर ठिठक गया। इसके बाद पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच शुरू की।

देर रात पुलिस ने एक संदेही को हिरासत में लिया। उसके पास से सोने के जेवर भी बरामद हुए हैं। पुलिस का दावा है कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। दोनों आदतन चोर हैं और पहले भी चोरी के मामलों में जेल जा चुके हैं। फिलहाल कालीमाता वार्ड में किराए से रह रहे थे और मूल रूप से ओडिशा के रहने वाले हैं। फरार साथी की तलाश जारी है। पुलिस का मानना है कि उसके पकड़े जाने पर अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

पुलिस ने 20 दिन पहले ही चेताया था

शंकर नगर जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में सराफा दुकान में चोरी से हड़कंप मचा है। दुकान खम्हारडीह थाने से करीब 1 से 1.5 किलोमीटर दूर पर है और 600 मीटर के दायरे में रोज गश्त प्वाइंट लगता है। इसके बावजूद चोर आसानी से वारदात कर निकल गए।

चर्चा है कि पुलिस ने पहले ही दुकान मालिक को सेंट्रल लॉक सिस्टम मजबूत करने और सुरक्षा बढ़ाने की चेतावनी दी थी। इसके करीब 20 दिन बाद उसी दुकान में चोरी हो गई। लक्ष्य ज्वेलर्स के फुटेज में दिखे चोरों का हुलिया अभनपुर की घटना से मिलता है। 5 मई की रात अभनपुर के नवकार ज्वेलर्स में भी दो युवकों ने रॉड से ताला तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन सफल नहीं हो सके थे।

खास खबर

धारदार लोहे के चाकू के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं आसामाजिक तत्व के लोगो पर कार्यवाही करने पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षंक माहेश्वर नाग के दिशा निर्देश एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया। 10 मई को ग्राम चोकावाड़ा आम रास्ते में आरोपी चंदन पटेल पिता मयाराम पटेल निवासी ग्राम चोकावाड़ा थाना नगरनार के द्वारा धारदार लोहे का चाकू लहराकर आने जाने वाले लोगो को डरा धमकाकर भयभीत कर गांव का माहौल खराब कर रहा था जिसे घेराबंदी कर पकड़े एवं आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का चाकू को बरामद कर जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 25 27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध सदर कर कायम कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय के समक्ष पेश करने रवाना किया गया है।

घरेलू विवाद पर बेटे ने की मां की हत्या

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के अंबिकापुर से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक कलयुगी बेटे ने मामूली विवाद के बाद अपनी ही मां को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मामला लटोरी थाना क्षेत्र के गजाधरपुर गांव का है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर मां और बेटे के बीच विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी बेटे ने अपनी मां पर हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मां की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी बेटे से पूछताछ कर रही है। प्रारंभिक जांच में घरेलू विवाद की बात सामने आ रही है। इस घटना के बाद गांव में शोक और भय का माहौल है। लोग बेटे की इस करतूत को लेकर हैरान हैं।

रायपुर रेंज पुलिस ने पकड़ा अंतरराज्यीय गिरोह

रायपुर। रायपुर रेंज पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े और शातिर नेटवर्क का खुलासा करते हुए करीब 1 करोड़ 98 लाख रुपये की मादक सामग्री और अन्य सामान जब्त किया है। तस्कर कपड़ा फेरीवाले बनकर मोटरसाइकिलों में विशेष कम्पार्टमेंट तैयार कर गांजा की तस्करी कर रहे थे। पुलिस ने महासमुंद और धमतरी जिले में कार्रवाई करते हुए कुल 10 आरोपियों और एक विधि से संघर्षरत बालक को पकड़ा है। ओडिशा से मध्यप्रदेश की ओर गांजा ले जाया जा रहा था। आरोपी अपनी बाइक की पिछली सीट पर लोहे का जाला और कपड़ों का ढेर लगाकर खुद को सड़क किनारे कपड़ा बेचने वाला दिखाते थे, ताकि किसी को शक न हो। जिला महासमुंद के बसना और कोमाखान थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 247 किलो गांजा जब्त किया। पुलिस ने 7 मोटरसाइकिलें, 6 मोबाइल और गांजा छिपाने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे लोहे के जाल भी बरामद किए। जब्त सामग्री की कुल कीमत करीब 1 करोड़ 28 लाख 44 हजार रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तरप्रदेश के निवासी शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गांजा ओडिशा के बालिगुड़ा क्षेत्र से लाया जा रहा था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, गांजा तस्कर लगातार नए-नए तरीके अपनाकर मादक पदार्थों की तस्करी कर रहे हैं। इससे पहले एम्बुलेंस, केला परिवहन और मूवर्स एंड पैकर्स की आड़ में तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। अब फेरीवाले का भेष बनाकर गांजा सप्लाई करने की यह नई तरकीब सामने आई है।

बिलासपुर सिम्स में एक्स-रे कराने 600 रुपए की डिमांड

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर संभाग के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल सिम्स में इलाज और जांच के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। एक मरीज के परिजन ने एक्स-रे कराने के लिए कर्मचारी पर 600 रुपए की डिमांड करने का आरोप लगाया है। परिजन का आरोप है कि कर्मचारी ने कहा कि पैसे दोगे तो तुरंत एक्स-रे होगा। नहीं, तो लंबी तारीख मिलेगी।

इसके साथ ही उसे दवा भी खरीदकर लाना पड़ेगा। इस मामले की शिकायत पर सिम्स के अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि मरीजों के साथ अवैध वसूली सख्त अनुशासनहीनता है, जो बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कश्यप कॉलोनी निवासी अमर कश्यप का भाई अमन कश्यप बीमार है, जिसका इलाज कराने के लिए वह सिम्स लेकर आया था। यहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मरीज का एक्स-रे कराने के लिए कहा, इसके लिए उसे रेडियोलॉजी विभाग में भेजा गया।

कर्मचारी ने एक्स-रे के लिए मांगे 600 रुपए

अमन के भाई अमर कश्यप ने आरोप लगाया कि एक्स-रे विभाग के अमित नाम के कर्मचारी उससे 600 रुपए की मांग की। कर्मचारी ने उसे कहा कि अस्पताल में जरूरी दवाएं उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन पैसे देने पर वह तुरंत दवा की व्यवस्था कराकर एक्स-रे करा देगा।

अमर कश्यप ने पैसे देने से इनकार कर किया, तब कर्मचारी का रवैया बदल गया। आरोप है कि उन्हें 13 मई की तारीख देकर एक्स-रे के लिए बुलाया गया। साथ ही कहा कि पहले बाहर से दवा खरीदकर लाओ, उसके बाद ही एक्स-रे किया जाएगा। इस घटना से नाराज परिजन ने अस्पताल अधीक्षक से लिखित शिकायत की है। उनका कहना है कि सरकारी अस्पताल में गरीब और जरूरतमंद लोग इलाज की उम्मीद लेकर आते हैं, लेकिन यदि उनसे जांच और इलाज के नाम पर पैसों की मांग की जाए तो यह उनके अधिकारों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में इस तरह खुलेआम वसूली होना बेहद गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। साथ ही दोषी कर्मचारी पर कार्रवाई की जानी चाहिए।

अधीक्षक बोले- जांच के बाद होगी कार्रवाई

सिम्स के अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि मरीज के परिजन ने कर्मचारी पर अवैध वसूली करने की शिकायत की है। यह गंभीर मामला है। इस मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं। आरोप सही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित कर्मचारी के पुराने रिकॉर्ड की भी जांच होगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अस्पताल परिसर में इलाज, जांच या दवा के बदले किसी भी तरह का लेन-देन पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके लिए अस्पताल में सूचना बोर्ड भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों और परिजनों की शिकायतें सीधे दर्ज कराने के लिए अधिकारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक किए गए हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति दबाव या डर के बिना शिकायत कर सके।

मुढ़ीपार टोल प्लाजा के पास अवैध वसूली और मारपीट का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के मुढ़ीपार टोल प्लाजा के पास एक ढाबे के बाहर वाहन खड़ा करने के नाम पर अवैध वसूली और मारपीट के मामले में बिल्हा पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई बिल्हा मोड़ निवासी मनोज कुमार यादव (32 वर्ष) की शिकायत पर की गई है।

मनोज कुमार यादव ने 9 मई को बिल्हा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मुढ़ीपार टोल प्लाजा के पास मिथलेश गेंदले ढाबे के बाहर गाड़ी खड़ी करने के लिए अवैध रूप से पैसे मांगता है। पैसे न देने पर आरोपी ने उनके साथ मारपीट की और ट्रक का सामने का कांच तोड़ दिया।

पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

शिकायत के आधार पर बिल्हा पुलिस ने मुढ़ीपार निवासी आरोपी मिथिलेश गेंदले (28 वर्ष) को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल डंडा भी जब्त किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक तोपसिंह नवरंग और उपनिरीक्षक जीएल चंद्राकर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध खनिज परिवहन के मामले में 2 हाईवा समेत 6 वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। जिले में अवैध खनिज परिवहन के मामाले में बीते दिनों संचालित विशेष अभियान में विभाग की टीम ने दो हाईवा, तीन ट्रैक्टर और एक मिनी ट्रक सहित कुल 6 वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों से अवैध रूप से कोयला, गिट्टी और ईंट का परिवहन किया जा रहा था।

खनिज विभाग के अनुसार कार्रवाई बैकुंठपुर, पटना और शिवपुर-चरचा थाना क्षेत्र में की गई। गश्त के दौरान टीम को कई वाहन बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन करते मिले। इसके बाद सभी वाहनों को मौके पर ही जब्त कर संबंधित थाना परिसरों में अभिरक्षा में रखा गया। जिन वाहनों पर कार्रवाई हुई उनमें मिनी ट्रक क्रमांक सीजी 16 ए 2435,

ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 16 सीजी 6738, सीजी 15 एसी 3349 और सीजी 16 सीआर 2013 शामिल हैं। वहीं सीजी 10 एएम 7044 और सीजी 10 एएम 5428 क्रमांक के दो हाईवा भी जब्त किए गए हैं।

खनिज विभाग ने संबंधित वाहन मालिकों के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 की धारा 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत प्रकरण दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला खनिज अधिकारी ने कहा कि जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खनिज माफियाओं के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

मैग्नेटोमॉल-पॉर्किंग में हंगामा करने वाले इंफ्लूएंसर समेत तीन गिरफ्तार

शिक्षक परिवार को बोला था गंवार, हॉकी लहराने वाले आरोपी रॉकी को पुलिस ने भेजा जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के मैग्नेटो मॉल की पार्किंग में गाड़ी निकालने को लेकर हुए विवाद के बाद शिक्षिका धनिशा धीवर की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने मैग्नेटोमॉल पॉर्किंग में हंगामा करने वाले इंफ्लूएंसर के भाई रोहन नरवाल उर्फ रॉकी बाक्सर को जेल भेज दिया है। यह मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

तेलीबांधा पुलिस ने नोटिस देकर सोमवार दोपहर दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए बुलाया था। पूछताछ और बयान दर्ज करने के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

घटना 9 मई की रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच की बताई जा रही है। शिक्षिका धनिशा धीवर अपने परिवार और बच्चों के साथ मॉल घूमने पहुंची थी। घर लौटते समय उनका परिवार बोलेरो वाहन क्रमांक सीजी 04 एनएच 1581 को पार्किंग से निकाल रहा था। इसी दौरान कार क्रमांक सीजी 04 जेसी 9699 में सवार रोहन, सोमा और गरिमा वहां पहुंचे।

पीड़ित परिवार का आरोप था, कि कार चालक रोहन गाड़ी से उतरते ही गोपेश साहू को गांव का गंवार कहकर गाली देने लगा। उसने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को मॉल में एंट्री कौन देता है? शिकायत में बताया गया कि आरोपी ने खुद को एक मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़ा बताते हुए रौब झाड़ा।

विवाद बढ़ने पर आरोपी रोहन उर्फ रॉकी ने अपनी कार से हॉकी निकाल ली और मारपीट की धमकी देने लगा। आरोप है कि रोहन ने गोपेश साहू के साथ धक्का-मुक्की भी की। बीच-बचाव के दौरान गोपेश के पैर में चोट आई, जबकि शिक्षिका के बेटे अरमान धीवर के हाथ में चोट लगी थी।

घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों की शिकायत पर केस दर्ज किया था। इसी मामले में पुलिस ने सोमवार को कार्रवाई की है।

बजरंग दल ने देर रात घेरा था थाना

शिक्षक परिवार पर हमला करने, गालियां देने और उन्हें गंवार बोलने पर शिक्षक परिवार के समर्थन में देर रात बजरंग दल तेलीबांधा थाने पहुंचा। बजरंग दल के सदस्यों आरोपी रोहन सहित इंफ्लूएंसर और उनके कर्मचारियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग की है।

मैग्नेटो मॉल की पॉर्किंग में विवाद होने के बाद आरोपी रोहन का फोटो सोशल मीडिया पर सटोरी बाबू खेमानी के साथ वायरल हो रहा है। वीडियो में रॉकी और बाबू किसी व्यक्ति का नाम लेकर उसे गेम सिखाने की सलाह दे रहे हैं। घटनाक्रम के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

दुर्ग में आइपीएल सट्टे पर पुलिस का एक्शन

ऑनलाइन ऐप से चल रहा था करोड़ों का खेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में आईपीएल क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। सिटी कोतवाली पुलिस ने 4 और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अब तक कुल 7 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई अन्य लोगों के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस ने अक्षत बोहरे, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद अय्युब और प्रकाश सोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में चारों ने ऑनलाइन सट्टे से जुड़े होने की बात स्वीकार की।

इसके बाद पुलिस ने उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

मोबाइल भी जब्त, नेटवर्क खंगाल रही पुलिस

पुलिस ने इस कार्रवाई में 8 मोबाइल, 9 हजार 810 रुपए कैश, सट्टे का हिसाब-किताब लिखी पॉकेट डायरी और डॉट पेन जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 89 हजार 810 रुपए बताई गई है। चारों आरोपियों के पास से अलग-अलग कंपनियों के मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। पुलिस का कहना है कि, आरोपी संगठित तरीके से आईपीएल मैचों पर ऑनलाइन सट्टा चला रहे थे और इसके जरिए आर्थिक फायदा कमा रहे थे। मामले में अभी भी जांच जारी है और पुलिस को इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है।

पुलिस के मुताबिक ऋषभ नगर दुर्ग में रहने वाला विकास जैन आईपीएल मैचों में मोबाइल फोन और ऑनलाइन ऐप के जरिए हार-जीत का दांव लगवाकर सट्टा चला रहा है। उस समय चेन्नई और दिल्ली के बीच आईपीएल मैच खेला जा रहा था। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार्रवाई की।

रेड के दौरान पुलिस ने मौके से तीन लोगों को ऑनलाइन सट्टा चलाते हुए पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम विकास जैन, रौनक ताम्रकार और प्रवीण ताम्रकार बताए।

पुलिस ने इनके कब्जे से मोबाइल फोन, पॉकेट डायरी, नगदी रकम और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए थे।

पेपर लीक का मास्टरमाइंड गिरफ्तार, पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे, मचा हड़कंप

रायपुर। छत्तीसगढ़ में माध्यमिक शिक्षा मंडल 12वीं कक्षा के हिन्दी पेपर लीक मामले में बिलासपुर से गिरफ्तार वेणु जंघेल ने पुलिस के सामने पूछताछ के दौरान कई अहम खुलासे किए हैं। आरोपी के बैंक खातों से लाखों रुपये के ट्रांजेक्शन का खुलासा हुआ है। जांच एजेंसियों को ऐसे सबूत भी मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि परीक्षार्थियों से ऑनलाइन माध्यम से रकम जमा कराई जाती थी। बताया जा रहा है कि असली प्रश्नपत्र को 'गेस पेपर' बताकर वायरल किया गया था, ताकि किसी को शक न हो।

दरअसल, 12वीं बोर्ड का हिंदी पेपर 13 मार्च की रात टेलीग्राम पर लीक हुआ, जिसके बाद 14 मार्च को परीक्षा हुई। पेपर लीक की जानकारी परीक्षा के बाद मिली, जिसके कारण इसे रद्द कर 10 अप्रैल को दोबारा आयोजित की गई। पुलिस ने 50 से ज्यादा छात्रों और अन्य संदिग्धों से पूछताछ की, जिसके बाद मुख्य आरोपी तक पहुंचने में सफलता मिली। पुलिस ने इस मामले में मास्टरमाइंड वेणु उर्फवेणु जंघेल को बिलासपुर से गिरफ्तार किया है। मामले की एफआईआर रायपुर सिटी कोतवाली थाना में दर्ज है। इसलिए उसे रायपुर लाया गया। पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं और मामले में कई बड़े नाम सामने आने की बात कही जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार जगदलपुर से लेकर दुर्ग तक जांच की कड़ियां जोड़ने के बाद आरोपी वेणु जंघेल का नाम सामने आया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में कई और बड़ी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। फिलहाल आरोपी रेनू जंघेल को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है और पेपर लीक में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

नशीली दवाओं के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। बोधघाट थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि हाटकचोरा बत्तख फार्म चौक के पास दो युवक अवैध नशीली कैप्सूल बेचने के लिए ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस को देखकर दोनों युवक भागने लगे, जिन्हें पकड़कर पूछताछ की गई। आरोपियों ने अपना नाम नैनदीप सिंह उर्फ राजा (27) एवं मोहित बघेल (23) निवासी हाटकचोरा जगदलपुर बताया। उनके संयुक्त कब्जे से प्यीवॉन स्पास प्लस ट्रामाडोल एचसीएल और एसीटामिनोफेन कैप्सूल के 53 पत्ते में 424 कैप्सूल बरामद किया गया।

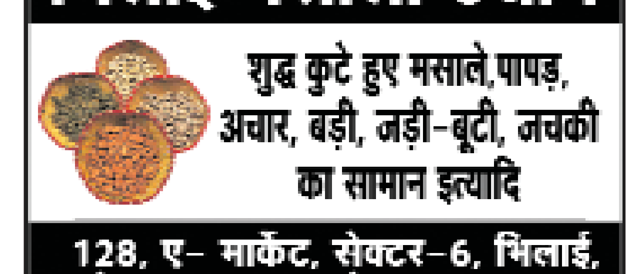

प्रमुख खबरें

सोमनाथ स्वाभिमान : बालोद के कपिलेश्वर मंदिर में पूजा

बालोद। प्राचीन कपिलेश्वर मंदिर परिसर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर भव्य कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर लोग गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा-अर्चना का अवलोकन कर उनका संबोधन सुना। कपिलेश्वर प्राचीन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने विधी विधान से पूजा अर्चना की। शिव तांडव नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति और भजन गायन भी किया गया। जिला पंचायत बालोद की अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, नगर पालिका परिषद बालोद की अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष तोमन साहू और जनपद पंचायत बालोद की अध्यक्ष सरस्वती टेमरिया ने सभी को सोमनाथ स्वाभिमान की बधाई दी।

सोमनाथ से महादेव घाट तक एक हुआ देश, छत्तीसगढ़ में सुना गया प्रधानमंत्री का संदेश

मोदी के नेतृत्व में गौरवान्वित हुई सनातन संस्कृति : साय

- 75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण का कार्य हुआ था पूरा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को राजधानी रायपुर के महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं के साथ गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा - अर्चना का अवलोकन कर उनका संबोधन सुना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर के स्वर्णिम इतिहास, विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए हमलों, मंदिर के पुनरनिर्माण यात्रा, वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे आस्था के केंद्रों का संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर अपनी बातें साझा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 75 वर्ष पूर्व आज ही के दिन सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण का कार्य पूर्ण हुआ था और इसी ऐतिहासिक अवसर को देशभर में स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर अनेक बार बाहरी आक्रांताओं द्वारा हमले किए गए, लेकिन मंदिर की आस्था और परंपरा को समाप्त नहीं किया जा सका। पहली बार आक्रमण के दौरान मंदिर के पुजारियों और श्रद्धालुओं ने मंदिर नहीं छोड़ा तथा अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका त्याग आज भी स्वर्ण अक्षरों में अंकित है।

श्री साय ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने तमाम विरोधों के बावजूद सोमनाथ मंदिर पहुंचकर पुनर्निर्मित मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लिया था।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को नया गौरव मिला है। देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों का विकास तेजी से हो रहा है। बनारस के काशी विश्वनाथ, उज्जैन के महाकाल से लेकर सोमनाथ मंदिर तक व्यापक विकास कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार भी प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में देवी माताओं के मंदिरों को शक्तिपीठ योजना के माध्यम से विकसित किया जा रहा है। कबीरधाम स्थित भोरमदेव महादेव मंदिर को स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत 148 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिली है।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और भगवान श्रीराम का ननिहाल है। सनातनियों के लंबे संघर्ष के बाद अयोध्या के मंदिर में भगवान श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई है। श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक 40 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं और यह योजना लगातार जारी है।

मुख्यमंत्री ने अंत में सभी लोगों से भाईचारे, सामाजिक समरसता और राष्ट्र की एकता को मजबूत बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम को वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महादेव घाट स्थित हाटकेश्वर महादेव मंदिर पहुँचे जहां उन्होंने पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरन्दर मिश्रा, छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, महापौर मीनल चौबे, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने दिया सशक्त राष्ट्र का फार्मूला

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भोरमदेव मंदिर परिसर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। वे जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं के साथ गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर से वर्चुअली जुड़े और मंदिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई पूजा-अर्चना के साक्षी बने और संबोधन सुना।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान सोमनाथ मंदिर के स्वर्णिम इतिहास, विदेशी आक्रांताओं द्वारा किए गए हमलों, मंदिर के पुनर्निर्माण यात्रा, वर्तमान सरकार द्वारा किये जा रहे आस्था के केंद्रों का संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प सहित विभिन्न विषयों पर अपनी बातें देशवासियों से साझा की।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कबीरधाम के श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन भारत की पुरातन संस्कृति और सभ्यता के गौरवपूर्ण स्मरण का अवसर है। इतिहास के कई महत्वपूर्ण प्रसंग समय के साथ लोगों की स्मृतियों से ओझल हो जाते हैं, जबकि इन्हीं घटनाओं ने देश की सांस्कृतिक चेतना को आकार दिया है।

उन्होंने कहा कि लगभग एक हजार वर्ष पूर्व विदेशी आक्रांताओं ने सोमनाथ मंदिर के वैभव को ध्वस्त किया और इसकी संपदा को लूटने का प्रयास किया। यह क्रम कई बार चला। आज उन आक्रांताओं का नामोनिशान नहीं है, जबकि सोमनाथ मंदिर वैभवशाली स्वरूप में देश के सामने खड़ा है।

उप मुख्यमंत्री ने इस दौरान भोरमदेव मंदिर पर्यटन कॉरिडोर विकास कार्यों की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव मंदिर कॉरिडोर परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसके तहत मंदिर परिसर, म्यूजियम, मेला स्थल, गार्डन, कांवड़ियों के विश्राम स्थल, मड़वा महल, छेरकी महल और सरोदा डैम के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। प्रत्येक सोमवार को अधिकारियों, इंजीनियरों, कंसल्टेंट और ठेकेदारों के साथ परियोजना कार्यों की समीक्षा की जाती है ताकि विकास कार्य तय समय पर पूरे हो सकें। इसके साथ ही बूढ़ा महादेव परिसर के सौंदर्यीकरण पर भी काम किया जा रहा है, जहां कांवड़ियों की सुविधा के लिए एक विशाल डोम का निर्माण किया जा रहा हैं।

मधेश्वर महादेव पर्वत पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- मयाली से वर्चुअली जुड़े जनप्रतिनिधि और ग्रामीण

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर मधेश्वर महादेव पर्वत पर श्रद्धालु उमड़ पड़े। इस अवसर पर जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड स्थित मयाली नेचर कैम्प में विश्व के सबसे बड़े प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में प्रसिद्ध मधेश्वर महादेव पर्वत की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों ने बड़ी श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में भाग लिया तथा मयाली डेम खंडसा से वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री के संबोधन से जुड़े।

कार्यक्रम में एसडीएम कुनकुरी नंदजी पांडे, डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा, जनपद पंचायत कुनकुरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमोद सिंह, भरत सिंह सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

पेरमापारा प्राचीन शिव मंदिर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व संपन्न

बीजापुर। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026 के तहत बीजापुर जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक स्थित पेरमापारा के प्राचीन शिव मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिवभक्तों एवं ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर भगवान शिव की आराधना की तथा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। सोमनाथ मंदिर 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में प्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रतिष्ठित है, जिसका उल्लेख शिवपुराण, स्कंदपुराण, श्रीमद्भागवत तथा ऋग्वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। यह वही पावन स्थल है, जहां से भगवान श्रीकृष्ण ने निजधाम प्रस्थान किया था। स्वामी विवेकानंद ने भी सोमनाथ को भारत की अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बताया था। पेरमापारा शिव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालु भजन, पूजा-अर्चना और शिव आराधना में लीन नजर आए। मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

जगदलपुर के प्राचीन शिवमंदिर में हुई पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। बस्तर रियासत की पुरानी राजधानी स्थित प्राचीन शिव मंदिर का प्रांगण उस समय भक्ति और राष्ट्रवाद के अनूठे संगम का साक्षी बना, जब यहाँ 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ मंदिर के उस अदम्य स्वाभिमान की गाथा भी गूंजी, जो सदियों के संघर्ष के बाद आज अपने पूर्ण वैभव के साथ खड़ा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष कश्यप ने कहा कि लगभग एक हजार वर्ष पूर्व सोमनाथ मंदिर को जिस तरह नष्ट कर लूटपाट की गई थी, वह भारतीय इतिहास का एक काला अध्याय था। उसके बाद भी कई बार आक्रमण हुए लेकिन हर बार महादेव के प्रति अटूट आस्था ने इसे वापस खड़ा कर दिया।

इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य शकुंतला कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन व अपर कलेक्टर ऋषिकेश तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कलाकार निधि रावल और तरंग डांस एकेडमी की नन्हीं बालिकाओं ने कत्थक शैली में शिव तांडव की ओजपूर्ण प्रस्तुति दी। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं और भक्तों ने इस ऐतिहासिक संदर्भ वाले पर्व में हिस्सा लेकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों के प्रति गर्व व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि अपने भीतर कई अनसुलझे रहस्य और भव्य स्थापत्य समेटे हुए है। ग्राम बस्तर में स्थित प्राचीन शिव मंदिर का निर्माण भी करीब एक हजार साल पहले छिंदक नागवंशी राजाओं द्वारा कराया गया था।

11वीं शताब्दी की स्थापत्य कला को संजोए यह शिवालय बस्तर संभाग के दूसरे सबसे बड़े तालाब बाणसागर के किनारे अपनी पूरी भव्यता के साथ अडिग खड़ा है। ऐतिहासिक दृष्टि से यह स्थान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर स्थित यह ग्राम रियासत काल में काकतीय राजाओं की राजधानी हुआ करता था, जिसका गौरवशाली इतिहास लगभग ढाई सौ वर्षों तक इस मिट्टी से जुड़ा रहा।

अपनी बेजोड़ निर्माण शैली और पुरातात्विक महत्व के कारण आज यह मंदिर केंद्रीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के संरक्षण में है। मंदिर की दीवारों पर उकेरी गई सूक्ष्म और कलात्मक मूर्तियां प्राचीन भारतीय शिल्प कौशल की कहानी कहती हैं, हालांकि समय-समय पर मूर्ति तस्करों की गतिविधियों ने इस धरोहर की कुछ प्राचीन प्रतिमाओं को काफी नुकसान पहुँचाया है। इस मंदिर की एक खास पहचान इसके मुख्य द्वार के ठीक ऊपर पत्थर पर उकेरी गई मयूर की आकृति है। यही आकृति कभी अविभाजित मध्यप्रदेश के पाठ्य पुस्तक निगम का आधिकारिक प्रतीक चिह्न हुआ करती थी। वर्तमान में पुरातत्व विभाग द्वारा यहाँ की गई आकर्षक बागवानी ने मंदिर की सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं, जिससे यह न केवल श्रद्धालुओं बल्कि पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन गया है। आस्था के केंद्र के रूप में इस शिवालय की महत्ता आज भी वैसी ही बनी हुई है।

ज्ञानभारतम राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में मिली रामचरितमानस की पांडुलिपि, कलेक्टर की उपस्थिति में हुआ संरक्षण

- अवधि भाषा में रचित प्राचीन ग्रंथ का डिजिटल संरक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

पेंड्रा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा संचालित ज्ञानभारतम (राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान) के तहत छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। यहाँ इतिहास, धर्म और साहित्य के संगम वाली रामचरितमानस की एक अत्यंत दुर्लभ पांडुलिपि प्राप्त हुई है। विशेषज्ञों ने इस प्राचीन ग्रंथ को ऐतिहासिक और भाषाई दृष्टि से अमूल्य बताया है।

यह पांडुलिपि गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत धनौली निवासी ज्ञानेंद्र उपाध्याय के परिवार के पास सुरक्षित थी। परिवार के अनुसार, उनके परदादा ने दशकों पहले इस ग्रंथ की महत्ता को समझते हुए इसे सहेजना शुरू किया था। तब से लेकर आज तक, चार पीढ़ियों ने इस अमूल्य निधि को दीमक और समय की मार से बचाकर रखा। अब ज्ञानभारतम अभियान के माध्यम से इसे वैज्ञानिक तरीके से दस्तावेजीकृत और डिजिटल रूप से सुरक्षित कर लिया गया है।

पांडुलिपि के संरक्षण कार्य के दौरान कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने इस अवसर पर कहा ये पांडुलिपियां केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और ज्ञान परंपरा का जीवंत इतिहास हैं। इनका संरक्षण हमारी आने वाली पीढ़ियों को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ने का एक सेतु है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अवधी भाषा में रचित यह पांडुलिपि कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह उस काल की लेखन शैली और भाषाई संरचना को समझने का बड़ा स्रोत है। इसके अध्ययन के माध्यम से तत्कालीन सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों की जानकारी मिलती है। यह क्षेत्र की प्राचीन ज्ञान परंपरा और शिक्षा के प्रसार का जीवंत एवं ऐतिहासिक प्रमाण है।

कलेक्टर गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही डॉ. देवांगन ने बताया कि इस राष्ट्रीय अभियान का मुख्य उद्देश्य निजी संग्रहों, मंदिरों, आश्रमों और पुराने संस्थानों में बिखरी हुई प्राचीन पांडुलिपियों की पहचान करना है। इन धरोहरों का वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और डिजिटल संरक्षण किया जा रहा है ताकि भारत की प्राचीन ज्ञान संपदा को हमेशा के लिए सुरक्षित किया जा सके।

गौरेला- पेन्ड्रा-मरवाही जिले में इस दुर्लभ ग्रंथ का मिलना न केवल जिले के लिए, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। ज्ञानभारतम अभियान के तहत राज्य के अन्य हिस्सों में भी ऐसी दुर्लभ कड़ियों की खोज निरंतर जारी है।

खरोरा के पं. संतोष राव के पास मिली 350 साल पुरानी पांडुलिपि, किया गया सम्मान

ज्ञानभारतम् मिशन के अंतर्गत जिले में प्राचीन एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं दस्तावेजीकरण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिले में विभिन्न ऐतिहासिक पाण्डुलिपियों का संग्रहण कर उन्हें ज्ञानभारतम् पोर्टल में दर्ज किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पंचायत खरोरा निवासी 76 वर्षीय पंडित संतोष राव द्वारा संरक्षित दो दुर्लभ पांडुलिपियों को ज्ञानभारतम् पोर्टल में दर्ज किया गया है। पंडित संतोष राव के पास माता परमेश्वरी से संबंधित श्री देवांग पुराण की दो पांडुलिपियां सुरक्षित हैं। इनमें एक लगभग 350 वर्ष पुरानी भोजपत्र पर लिखित पांडुलिपि है, जिसमें 101 पृष्ठ हैं, वहीं दूसरी लगभग 100 वर्ष पुरानी पांडुलिपि है, जिसमें 151 पृष्ठ शामिल हैं। प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पंडित संतोष राव के निवास पहुंची एवं दोनों पांडुलिपियों का अवलोकन करते हुए उनकी फोटो, विवरण ज्ञान भारतम ऐप में अपलोड की। एसडीएम आशुतोष कुमार देवांगन ने पंडित संतोष राव को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। पंडित राव ने बताया कि उनके पूर्वजों द्वारा इन ग्रंथों को पीढ़ियों से संरक्षित किया गया है। शासन की इस पहल से अब इन पांडुलिपियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारी विरासत का उत्सव : अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। शिव मंदिर देवगढ़ में आयोजित 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' श्रद्धा, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय गौरव का भव्य संगम बन गया। उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत देवटिकरा स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर परिसर में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण से भर दिया। कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सनातन संस्कृति, आस्था और आत्मगौरव का उत्सव है। जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए आक्रमण के 1000 वर्ष तथा वर्ष 1951 में इसके पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होना हमारी सांस्कृतिक शक्ति, आस्था और पुनर्जागरण की अमर गाथा को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति ने अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी पहचान और अस्तित्व को अक्षुण्ण बनाए रखा है, जो पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है।

कार्यक्रम के दौरान गुजरात में आयोजित मुख्य समारोह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लाइव प्रसारण का सामूहिक अवलोकन किया गया। मंदिर परिसर में धार्मिक आस्था और राष्ट्रभावना का अनूठा वातावरण दिखाई दिया। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा प्रदान की, बल्कि लोगों में अपनी

विशिष्ट अतिथि प्रबोध मिंज ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की गौरवशाली सभ्यता और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपनी प्राचीन परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह और कलेक्टर अजीत वसंत ने इस अवसर पर संबोधित किया।

कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण छत्तीसगढ़ की बौद्धिक और सांस्कृतिक धरोहर स्वरूप प्राचीन पांडुलिपियों के संरक्षण में योगदान देने वाले संरक्षकों और सर्वेयरों का सम्मान रहा। इस अवसर पर पांडुलिपि संरक्षण एवं सर्वे कार्य में उल्लेखनीय योगदान देने वाले संरक्षक श्रीमती रश्मि मिश्रा, श्री शैलेष मिश्रा, श्री दिवाकर शर्मा, श्री रासबिहारी मिश्र, श्री महेश्वर शाह एवं श्री साहू शाह को सम्मानित किया गया। वहीं सर्वेयर के रूप में कार्य कर रहे श्री श्रीश मिश्र, श्री अनूप किण्डो, श्री गौरव पाठक, श्री दामोदर सिंह तथा श्री अजीत सिंह कंवर को भी सम्मान प्रदान किया गया। अतिथियों ने कहा कि पांडुलिपियां हमारी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं, जिनका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य राधा रवि, जनपद अध्यक्ष शशिकला सिंह, कमिश्नर नरेन्द्र दुग्गा, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर शारदा अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950